वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :4 अंक : 110 | मंगलवार 13 अगस्त 2024 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने कहा...

गैर संक्रामक रोगों से संबंधित कार्यक्रमों को और मजबूत बनाएंगे

टाइप-1 डायबिटीज से बचाव के लिए मिशन मधुहारी किया प्रारंभ

जयपुर. कंचन केसरी

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में भारत में डायबिटीज, कैंसर और हृदय रोग काफी तेजी से बढ़े हैं। यह हमारे लिए चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि चिकित्सा विभाग गैर संक्रामक रोगों के उपचार, रोकथाम एवं आमजन में जागरूकता के लिए प्रतिबद्धता के साथ आवश्यक कदम उठा रहा है। प्रदेश में गैर संक्रामक बीमारियों से संबंधित कार्यक्रमों को और मजबूत बनाया जाएगा। चिकित्सा मंत्री सोमवार को चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन तथा क्लिंटन फाउण्डेशन के संयुक्त तत्वावधान में टाइप-1 डायबिटीज से बचाव के लिए प्रारंभ किए गए कार्यक्रम ''मिशन मधुहारी'' पर आयोजित सेमिनार को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि वर्तमान में दैनिक जीवन के अनुशासन में लापरवाही के कारण लोग कई गंभीर रोगों को शिकार हो रहे हैं। इनसे बचाव के लिए हमें स्वस्थ जीवन-शैली अपनानी चाहिए। खींवसर ने कहा कि हमारे पूर्वजों ने स्वास्थ्य को सर्वोच्च स्थान देते हुए कहा था कि ''पहला सुख निरोगी काया''। यह हमारे जीवन का मूल मंत्र होना चाहिए। उन्होंने कहा कि डायबिटीज रोग होने के बाद भी संयमित एवं अनुशासित जीवन-शैली अपनाकर सामान्य जीवन जी सकते हैं। बच्चों में टाइप-1 डायबिटीज रोग का होना दुर्भाग्यपूर्ण है, लेकिन नियमित उपचार एवं खान-पान का ध्यान रखकर ऐसे बच्चों को स्वस्थ रखा जा सकता है। इससे बचाव के लिए मिशन मधुहारी शुरू कर संवेदनशील पहल की गई है। उन्होंने कहा कि इस दिशा में व्यापक जनजागरूकता गतिविधियां संचालित की जानी चाहिए। चिकित्सा मंत्री ने कहा कि राजस्थान में गांव-ढाणी तक चिकित्सा का वृहद् ढांचा स्थापित है, जिसके माध्यम से बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करवाई जा रही हैं। हमारा प्रयास है कि संक्रामक एवं गैर संक्रामक बीमारियों के समुचित उपचार के साथ-साथ ऐसी गतिविधियां बढ़ाई जाएं, जिनके माध्यम से आमजन इन बीमारियों से बचाव के उपाय अपनाने के लिए प्रेरित हो सकें। निदेशक जनस्वास्थ्य डॉ. रवि प्रकाश माथुर ने कहा कि गैर संक्रामक रोगों से बचाव एवं उपचार के लिए संचालित कार्यक्रम को व्यापक दृष्टिकोण देते हुए इसमें कैंसर, हाइपरटेंशन, डायबिटीज आदि रोगों को शामिल किया गया है। भारत में 8 लाख 60 हजार से अधिक लोग टाइप-1 डायबिटीज से ग्रसित हैं। उन्होंने बताया कि इससे बचाव के लिए जागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। साथ ही, एक प्रभावी रोडमैप भी तैयार किया जा रहा है। सेमिनार को फ्रेंड्स ऑफ मेवाड़ की पद्मजा कुमारी ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर टाइप-1 डायबिटीज से बचाव एवं जागरूकता से संबंधितअ अभियान ह्यमिशन मधुहारीह्य के पोस्टर का विमोचन भी किया गया। सेमिनार में संयुक्त निदेशक डॉ. सुनील सिंह, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जयपुर द्वितीय डॉ. हंसराज सहित चिकित्सा विशेषज्ञ एवं इस क्षेत्र से जुडे.प्रतिनिधि उपस्थित थे।

एबीवीपी जयपुर महानगर सम्मेलन आयोजित: शामिल हुए सैंकड़ों कार्यकर्ता, नई महानगर कार्यकारिणी की घोषित

जयपुर. कासं

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद जयपुर महानगर द्वारा महानगर परिषद अनुनाद 2024 का आयोजन राजस्थान विश्वविद्यालय मानवी की पीठ सभागार में किया गया। इस महानगर परिषद में विद्यार्थी परिषद के सैकड़ों कार्यकताओं ने भाग लिया। इस मौके पर नवनिर्वाचित महानगर मंत्री सुशील कुमार शर्मा ने बताया कि इस महानगर परिषद में पुरानी महानगर कार्यकारिणी भंग और नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। चुनाव अधिकारी के रूप में डॉ. सुरेंद्र सिंह चौहान नवनिर्वाचित महानगर अध्यक्ष रोहित जैन व महानगर मंत्री सुशील कुमार शर्मा की घोषणा की। प्रारंभ में इस परिषद में 2023 24 की महानगर मंत्री ट्विंकल शर्मा मंत्री प्रतिवेदन रखा व महानगर उपाध्यक्ष पूनम चौधरी ने अपना उद्बोधन दिया। नवनिर्वाचित महानगर मंत्री ने आगामी वार्षिक कार्य योजना को लेकर अपना विषय रखा। महानगर परिषद में जयपुर प्रांत के प्राण संगठन मंत्री पूरन सिंह शाहपुनरा ने बताया की विद्यार्थी परिषद को पांच लोगों ने मिलकर बीज रोपण किया था, आज विद्यार्थी परिषद की पचास लाख सदस्य हैं।

ये हुई नियुक्तियां: महानगर उपाध्यक्ष डॉ. सुधीर वर्मा, डॉ. रामकेश सिंह परमार, डॉ. दीपिका शुक्ला, डॉ. प्रवीण गर्ग, डॉ. सुभाष मीणा महानगर सहमंत्री केशव पारीक, निहाल सिंह गुर्जर, अभिषेक मीणा, महिमा वर्गी, किरण जांगिड़,भाग संयोजक देवेश दाधीच, शक्ति सिंह, सिद्धार्थ पाटीदा,र मानव कुमार, महानगर कोषाध्यक्ष डॉ. मुकेश कुमावत, महानगर कार्यालय मंत्री लक्ष्मण चौधरी, महानगर छात्र विस्तारिका अंजलि चौरसिया आदि नियुक्त किए गए।

तीर्थराज की वंदना से सुख-शांति समृद्धि की प्राप्ति होती है: आचार्य शशांक सागर

वरुण पथ पर तीर्थराज सम्मेद शिखर जी की वंदना में उमड़ा जन सैलाब

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री दिगंबर जैन समाज समिति वरुण पथ मानसरोवर में विराजमान परम पूज्य आचार्य गुरुवर शशांक सागर जी ने धर्म सभा में मंगल आशीर्वाद देते हुए कहा कि भगवान पारसनाथ जी के मोक्ष कल्याण के पावन अवसर पर यही कामना करता हूं कि आप सबका जीवन मंगलमय हो, आप सबको अनंत खुशियों की प्राप्ति हो, आपको सुख समृद्धि की प्राप्ति हो। पूज्य गुरुदेव ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को संकल्प लेना चाहिए कि वर्ष में एक बार तीर्थराज सम्मेद शिखर की वंदना कर अपने जीवन में पुण्य का संचय करें। इसी पुण्य के संचय से आपके जीवन में सुख शांति और समृद्धि का वास होगा। मोक्ष सप्तमी के अवसर पर मुनि श्री संदेश सागर जी महाराज ने उपस्थित जन समुदाय को मंगल आशीर्वाद देते हुए कहां की भगवान पारसनाथ की आराधना से आपके जीवन का मंगल हो आपमें अनंत ऊर्जा का संचय हो यही कामना मैं करता हूं। समाज समिति के अध्यक्ष एमपी जैन ने बताया कि अभिषेक एवं शांति धारा करने का सौभाग्य धनमोहन , कमल कासलीवाल, राजकुमार पापड़ीवाल ने प्राप्त किया । इसके पश्चात सभी इंद्र को 24 प्रतिमाएं शोभा यात्रा में ले जाए जा रहे रथ में विराजमान करने के लिए प्रदान की गई। विशाल शोभा यात्रा के पश्चात आचार्य विद्यासागर सभागार भवन में निर्मित सम्मेद शिखर पर्वत पर विराजमान की गई। झांकी का उद्घाटन करने का सौभाग्य पूरणमल ललिता देवी अनोपडा को प्राप्त हुआ। उद्घाटन के पश्चात सम्मेद शिखर पहाड़ पर विराजमान सभी प्रतिमाओं के अभिषेक 24 इंद्रो द्वारा एवं भगवान पारसनाथ की प्रतिमा जी पर शांति धारा करने का सौभाग्य सुरेश चंद कनकलता जैन बांदीकुई वालों को प्राप्त हुआ । आज के संपूर्ण आयोजन के सौधर्म इंद्र रहे कोषाध्यक्ष कैलाश सेठी ने बताया कि भगवान पारसनाथ जी के मोक्ष कल्याण के पावन अवसर पर मुख्य रूप से निर्वाण लाडू अर्पित करने का सौभाग्य गुणमाला मनोज चिरायु बाकलीवाल, शैलेंद्र नीलम जैन, पदम चंद जैन भरतपुर वालों के परिवार ने प्राप्त किया। प्रचार संयोजक विनेश सोगानी ने बताया कि धर्म सभा में भगवान महावीर के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित करने का सौभाग्य सतीश मंजू कासलीवाल अनूप पूजा जैन हेतवी जैन कासलीवाल परिवार को प्राप्त हुआ। आचार्य श्री के पाद पक्षालन श्री ज्ञान चंद जी राजुल जी जैन खेड़ली वाले,शास्त्र भेंट करने का सौभाग्य जैनेन्द्र, नवीन जैन खेड़ली वाले कार्यक्रम में मंगलाचरण की प्रस्तुति पूरणमल अनोपड़ा ने की।

विनेश सोगानी, प्रचार संयोजक

गुलामी से आजादी

गरीबी, दरिद्रता और बेबसी जन मन का प्रतीक,
समर्पण, चाटुकारिता, दासता, हैं उनके साथी।
सलाहकार बन बैठे हैं निराशा और असत्य दल,
अब कब मिलेगी मानसिक गुलामी से आजादी?

असफलताओं की बेड़ियों में जकड़ी है जीवन,
नकारात्मक मनोभाव अंग्रेजों से परतंत्रता है।
कर्म, साहस और उत्साह वतन रक्षक फौजी,
सफलता और मंजिल की प्राप्ति स्वतंत्रता है।।

दिव्य शक्ति का संचार कर अंतर्मन में हिलोर,
धर्म चक्र आत्म शांति जन-जन का सहारा।
मन, वचन में मातृभूमि की समृद्धि, पवित्रता,
प्रगति पथ अशोक चक्र निर्मित तिरंगा प्यारा।।

सत्य और अहिंसा सिद्धांत राष्ट्रपिता गाँधी जी,
भगत सिंह की देश भक्ति ने कोहराम मचाया।
वीरांगना झाँसी की रानी ने गोरों से लोहा ली,
बाबा साहेब ने समानता का संविधान बनाया।।

कवि- अशोक कुमार यादव मुंगेली, छत्तीसगढ़
जिलाध्यक्ष राष्ट्रीय कवि संगम इकाई

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सम्यक की धार्मिक यात्रा सम्पन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया। दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सम्यक के सदस्य शुक्रवार को तीन दिवसीय धार्मिक यात्रा पर रवाना हुए । ग्रुप अध्यक्ष डॉ इन्द्र कुमार जैन के अनुसार सदस्यों का तीन दिन दिवसीय यात्रा में प्रथम दिवस यात्री शांतिनाथ जी की खोह पहुंचे। शांतिधारा और अभिषेक के पश्चात बोलखेड़ा अतिशय क्षेत्र के दर्शन किये तत्पश्चात मथुरा चौरासी के दर्शन एवं आरती कर पुण्य लाभ प्राप्त किया । रात्रि विश्राम मंगलायतन में किया, प्रातः अभिषेक के पश्चात कोसमा में विमल सागर जी मुनिराज की जन्मस्थली व जिनालय के दर्शन किये। वहां चैत्य सागर मुनिराज की प्रेरणा से जैन समाज द्वारा संचालित वात्सल्य आरोग्यधाम का अवलोकन किया। वहां से मरसालगंज अतिशय क्षेत्र पहुंचे । दर्शन पश्चात नेमिनाथ भगवान के जन्म कल्याणक के शुभ अवसर पर भगवान की जन्मस्थली शोरीपुर पहुंचे, बटेश्वर अतिशय क्षेत्र के दर्शन लाभ प्राप्त कर रात्रि को फिरोजाबाद स्थित छदमिलाल जैन मंदिर जहां आचार्य वसुनन्दी मुनिराज का चातुर्मास चल रहा है पहुंच कर रात्रि विश्राम किया। प्रातः चन्द्रप्रभ मंदिर में अभिषेक एवं शांति धारा की। पार्श्वनाथ भगवान के मोक्ष कल्याणक का लड्डू चढ़ाया। मुनिश्री की आहारचर्या एवं मोक्ष कल्याणक लड्डू चढ़ाने के बाद नसिया जी मंदिर में मुनि श्री अमित सागर जी के प्रवचन एवं जिनालय के दर्शन कर धर्म लाभ प्राप्त किया। वहां से चन्द्रावड अतिशय क्षेत्र के दर्शन किये । पचोकरा व त्रिमूर्ति जैन मंदिर एत्मादपुर के दर्शन कर आगरा पहुंचे । ताजमहल का अवलोकन कर रविवार रात्रि जयपुर पहुंचे।

चित्रकूट कॉलोनी सांगानेर में भगवान पार्श्वनाथ के मोक्ष कल्याणक पर चढ़ाये लड्डू

जयपुर. शाबाश इंडिया। सांगानेर स्थित श्री महावीर दिगंबर जैन मंदिर चित्रकूट कॉलोनी में जैन धर्म के 23 वे तीर्थंकर भगवान पार्श्वनाथ का मोक्ष कल्याणक धूमधाम से मनाया गया। मंदिर समिति के मंत्री अनिल जैन काशीपुरा ने बताया कि प्रातः मंदिर जी में विशेष पूजा अर्चना के साथ भगवान पार्श्वनाथ का अभिषेक किया गया तथा आनंद भाव के साथ अर्घ्य समर्पित किए गये। भक्ति भाव के साथ समाज के सानिध्य में सामूहिक निर्वाण लड्डू चढ़ाया गया। इस अवसर पर महिलाओं ने मंगल गान द्वारा भगवान की स्तुति की । राजस्थान जैन युवा महासभा सांगानेर संभाग के मंत्री महावीर सुरेंद्र जैन एडवोकेट ने बताया कि जैन धर्म में मोक्ष का विशेष महत्व होने से मोक्ष कल्याणक बड़े धूमधाम से मनाया जाता है।

मोक्ष सप्तमी पर 'एक पेड़ मां के नाम' वृक्षारोपण किया

अजमेर. शाबाश इंडिया। मोक्ष सप्तमी के अवसर पर सुबह-सुबह जिनालियों में अभिषेक शांति धारा व मोदक अर्पण किए गए। छोटे धड़े के मंदिर मोहल्ले में लाडू चढ़ाया गया, जिसमें नितिन दोषी, मनोज गोधा, सुरेश गंगवाल, अंकुर बडजात्या, विशाल लुहाडिया, मनीष पाटनी, रेणु पाटनी, अरूण दोषी एवं समाज के लोग उपस्थित थे। इस पावन अवसर पर एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम के अंतर्गत मनीष पाटनी के निवास स्थान पर वृक्षारोपण कार्यक्रम किया गया। उसमें नवीन पाटनी, सुभाष पाटनी, मंजु पाटनी, रेणु पाटनी, सरोज पाण्डया, मेम गदिया, माया गदिया ,अंजु पाटनी आदि सदस्य उपस्थित थे ।

दुर्गापुरा जैन मंदिर में मोक्ष सप्तमी महोत्सव मनाया

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री दिगम्बर जैन मंदिर चन्द्रप्रभजी दुर्गापुरा में भगवान पार्श्वनाथ जी के मोक्ष कल्याणक महोत्सव के पावन दिवस पर रविवार दिनांक 11.08.2024 को मुनि श्री 108 पावनसागर जी महाराज एवं मुनि श्री 108 सुभद्र सागर जी महाराज के सानिध्य में सभी उपस्थित श्रद्धालुओं ने निर्वाण लाडू चढ़ाया तथा पुण्यार्जक परिवारजन ने मूलवेदी पर श्रीमती ललिता देवी जी, संजय - सविता सोगानी, पार्श्वनाथ जी की वेदी पर श्रीमती विमला देवी, अरविन्द - संगीता काला, महावीर स्वामी जी की वेदी पर गिरीश कुमार श्रीमती रानी बड़जात्या ने निर्वाण लाडू चढ़ाया। लाडू चढ़ाने के पूर्व विद्यासागर पाठशाला दुर्गापुरा के बच्चों ने श्रावक श्राविकाओं के साथ भगवान पार्श्वनाथ जी की पूजा पंडित दीपक शास्त्री ने बड़े भक्ति भाव से करा कर धर्म प्रभावना की। इस अवसर पर संयोजक कमल छाबड़ा, ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रकाश चन्द चांदवाड़, संयुक्त मंत्री महावीर प्रसाद बाकलीवाल, शिखर चन्द कासलीवाल, हर्ष चन्द सोगानी, ताराचंद चांदवाड, परमानंद बाकलीवाल, पाठशाला परिवार में श्रीमती चन्दा सेठी, श्रीमती रेनू पांड्या, श्रीमती विमला पांड्या, श्रीमती संगीता काला श्रीमती सुनीता पांड्या आदि उपस्थित रहे। मुनि श्री ने प्रवचन में भगवान पार्श्वनाथ जी के जीवन के बारे बताते हुए कहा उन पर हुए उपसर्ग से हमें शिक्षा लेनी चाहिए, समता भाव से अपना जीवन उत्कृष्ट बना कर मोक्ष मार्ग की ओर कदम रखना चाहिए। भगवान पार्श्वनाथ जी के पांचों कल्याणक को बहुत ही सरल शब्दों में समझाय। जिनवाणी स्तुति के बाद ट्रस्ट के मंत्री राजेन्द्र काला ने सभी का आभार व्यक्त किया।

राजेन्द्र काला: मंत्री-श्री दिगम्बर जैन मंदिर चन्द्रप्रभजी ट्रस्ट दुर्गापुरा जयपुर

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान रीजन जयपुर के अध्यक्ष राजेश सीमा बड़जात्या का हुआ सम्मान

जयपुर. शाबाश इंडिया। दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन की हाल ही जयपुर में संपन्न हुई राष्ट्रीय कैबिनेट मीटिंग के अद्वितीय, अविस्मरणीय, भव्य एवं आकर्षक आयोजन के मुख्य कर्ता राजस्थान रीजन के अध्यक्ष राजेश सीमा बड़जात्या को राजस्थान रीजन प्रभारी राष्ट्रीय परामर्शक नवीन सेन जैन एवं शशी सेन जैन द्वारा सम्मानित किया गया। सादगी व अपनत्व से परिपूर्ण इस आयोजन में राष्ट्रीय परामर्शक अनिल शशी जैन ने कहा कि राजस्थान रीजन की अतिथि देवो भवः की परंपरा रही है। राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष यश कमल संगीता अजमेरा ने कहा कि अब केंद्रीय नेतृत्व प्रदान करने के लिए राजस्थान सक्षम है। राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष सुरेंद्र मृदुला पाण्डया, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष अतुल नीलिमा बिलाला, निर्मल संघी, पारस जैन सुनील बज सुरेश जैन बांदीकुई ने भी बधाई प्रेषित की।

वेद ज्ञान

मनुष्य की तलाश

मनुष्य की तलाश, यह स्वर अक्सर सुनने को मिलता है। यह भी सुनने को मिलता है कि आज आदमी आदमी नहीं रहा। दार्शनिक खलील जिब्रान का कथन है कि ईश्वर का पहला चिंतन था-फरिश्ता और ईश्वर का ही पहला शब्द था मनुष्य। ईश्वर के प्रारंभिक दोनों ही चिंतन आज लुप्तप्राय हैं। इन्हीं स्थितियों के बीच दार्शनिक डॉ. राधाकृष्णन की इन पंक्तियों का स्मरण हो आया, हमने पक्षियों की तरह उड़ना और मछलियों की तरह तैरना तो सीख लिया है, किंतु मनुष्य की तरह पृथ्वी पर चलना और जीना नहीं सीखा है। दार्शनिक गेटे की प्रसिद्ध उक्ति है कि जब कोई आदमी ठीक काम करता है तो उसे पता तक नहीं चलता कि वह क्या कर रहा है, पर गलत काम करते समय उसे हर क्षण यह ख्याल रहता है कि वह जो कर रहा है, वह गलत है। गलत को गलत मानते हुए भी इंसान गलत कार्य किए जा रहा है। इसी कारण समस्याओं और अंधेरों के अंबार लगे हैं। हालांकि ऐसा भी नहीं है, कुछ अच्छे लोग भी हैं, शायद उनकी अच्छाइयों के कारण ही जीवन बचा हुआ है। ऐसी अनेक जिंदगियों को मैंने नजदीक से देखा है। वे सारे फरिश्ते थे, ऐसा मैं नहीं मानता। वे आदमी थे, केवल आदमी। आदमी की सारी अच्छाइयां और कमियां उनमें भी थी। फिर भी मुझे उनमें आदमियत नजर आई। कबीर, दादू, रैदास, आचार्य तुलसी, वल्लभ गुरु आदि को तो पढ़ाई-लिखाई का अवसर ही नहीं मिला, लेकिन संतुलित जीवन और विचारों की साधना ने उन्हें ज्ञानी बनाया और उन लोगों ने जीवन भर उस ज्ञान को लोगों में बांटा। विचारों का असंतुलित प्रवाह नुकसानदेह है, जो इस पर अनुशासन करना सीख लेता है, उसके लिए यह वरदान है और जो इसके वशीभूत होकर अपनी विवेक चेतना खो देता है, वह विनाश की ओर अग्रसर हो जाता है। जीवन के बारे में एक मजेदार बात यह है कि यदि आप सर्वश्रेष्ठ वस्तु से कुछ भी कम स्वीकार करने से इंकार करते हैं तो अक्सर आप उसको प्राप्त कर ही लेते हैं। महात्मा गांधी ने इसीलिए कहा कि हमें वह परिवर्तन खुद में करना चाहिए जिसे हम संसार में देखना चाहते हैं। जरूरत है हम दर्पण जैसा जीवन जीना सीखें।

संपादकीय

ओलंपिक में भारत का कमजोर प्रदर्शन

पेरिस में आयोजित ग्रीष्मकालीन ओलिंपिक खेलों में भारत के 117 खिलाड़ियों ने 16 खेलों में हिस्सा लिया। माना जा रहा था कि इन खेलों में देश टोक्यो ओलिंपिक के एक स्वर्ण और दो रजत समेत सात पदकों के प्रदर्शन को बेहतर करेगा। परंतु इन खेलों में हमें एक रजत और पांच कांस्य सहित केवल छह पदक मिले जो बताता है कि भारतीय खिलाड़ियों को विश्वस्तरीय बनाने के क्षेत्र में अभी काफी काम करने की आवश्यकता है।

खासकर उन खेलों में जिनके बारे में हमारा दावा है कि हम विश्वस्तरीय सुविधाएं रखते हैं। मनु भाकर द्वारा एक ही ओलिंपिक में दो पदक (कांस्य) हासिल करने और अमन सहरावत के देश का सबसे युवा ओलिंपिक पदक विजेता (कुश्ती में कांस्य) बनने के अलावा भारत के प्रशंसकों को खुशी से अधिक निराशा का सामना करना पड़ा। विनेश फोगाट दुर्भाग्यपूर्ण ढंग से अयोग्य घोषित कर दी गईं जिनकी अपील पर फैसला आना बाकी है। भारत कई अवसरों पर करीबी मामले में पदक पाने से चूक गया। उदाहरण के लिए भाकर 25 मीटर पिस्टल शूटिंग में बहुत मामूली अंतर से तीसरा पदक पाने से चूक गईं। बैडमिंटन में लक्ष्य सेन सेमीफाइनल में दो बार बढ़त गंवा बैठे और कांस्य पदक के लिए हुए मुकाबले में हार कर चौथे स्थान पर रहे। यह उस खेल में भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन था जिसके बारे में उसका दावा है कि उसके पास विश्वस्तरीय सुविधाएं हैं। वेटलिफ्टर मीराबाई चानू जिन्होंने टोक्यो में रजत पदक जीता था, वह महज एक किलोग्राम वजन कम उठाने के कारण कांस्य पदक पाने से चूक गईं। हॉकी में जहां भारत को विश्व में पांचवीं वरीयता हासिल है, टीम ने लगातार दूसरे ओलिंपिक में कांस्य पदक जीता लेकिन यहां भी टीम स्वर्ण या रजत पदक जीत सकती थी। जर्मनी के खिलाफ मुकाबले में ढेर सारे पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदल पाने में नाकामी की शाश्वत समस्या के कारण टीम को 2-3 से हार का सामना करना पड़ा। भारतीय मुक्केबाजों को हमेशा पदक का दावेदार माना जाता है लेकिन उन्हें भी खाली हाथ लौटन पड़ा। नीरज चोपड़ा भी टोक्यो में स्वर्ण जीतने का कारनामा दोहरा नहीं सके और उन्हें पेरिस में रजत पदक से संतोष करना पड़ा। कुश्ती में भारत को केवल एक कांस्य पदक मिला। फोगाट को दुर्भाग्यपूर्ण ढंग से अयोग्य घोषित किए जाने के बावजूद एक ऐसे खेल में यह कमजोर प्रदर्शन है जिसमें भारत वैश्विक शक्ति होने का दावा करता है। इस कमजोर प्रदर्शन की वजह निर्धारित कर पाना मुश्किल है। यकीनन सरकार के समर्थन में निरंतरता की कमी एक वजह है। उदाहरण के लिए शूटिंग में पदक जीतने वालों में से अधिकांश अच्छे परिवारों से आते हैं जिनकी वित्तीय स्थिति इतनी मजबूत होती है कि वे प्रशिक्षण और कोचिंग का खर्च उठा सकें। या फिर खिलाड़ी सरकारी सेवा में होते हैं, मसलन नीरज चोपड़ा सेना में जबकि शूटिंग का कांस्य पदक जीतने वाले स्वप्निल कुसाले आदि सरकारी कर्मचारी हैं। -**राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

जमा और कर्ज का अंतर...

किसी भी देश की अर्थव्यवस्था की सेहत का पता इस बात से भी चलता है कि उसके बैंकों का कारोबार कैसा है। बैंकों का कारोबार मुख्य रूप से लोगों से जमा आकर्षित करने और उसे कर्ज के रूप में देकर उससे ब्याज कमाने से चलता है। मगर इस समय भारतीय बैंकों में जमा और कर्ज का अंतर काफी बढ़ गया है। इसे लेकर सरकार और भारतीय रिजर्व बैंक की चिंता स्वाभाविक है। पिछले दिनों मौद्रिक समीक्षा के वक्त आरबीआइ के गवर्नर ने बैंकों से इस अंतर को पाटने के लिए विशेष योजनाएं चलाने की सलाह दी थी। उन्होंने कहा कि बैंक ब्याज दरें निर्धारित करने को स्वतंत्र हैं। यही बात केंद्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने आरबीआइ गवर्नर के साथ बैठक में कही। वित्तमंत्री ने कहा कि बैंक अपने मुख्य कारोबार पर ध्यान दें। लोगों से जमा आकर्षित करने के लिए वे आकर्षक योजनाएं चला सकते हैं। दरअसल, सार्वजनिक बैंक निवेश की कमी के चलते गंभीर परेशानियों के दौर से गुजर रहे हैं। कायदे से बैंक अपनी ब्याज दरें रेपो दरों से आधा से लेकर एक फीसद तक ऊपर रख सकते हैं। मगर इस मामले में भी उन्हें कुछ राहत दी गई है, फिर भी उनके पास अपेक्षित जमा नहीं आ पा रहा। इसकी वजहें साफ हैं। पिछले कुछ वर्षों से लोगों की आमदनी लगातार कम हुई है। पहले जीएसटी की वजह से छोटे कारोबारियों पर बुरा असर पड़ा, फिर कोरोनाकाल में पूर्णबंदी के बाद बहुत सारे कारोबार बंद हो गए, लाखों लोगों की नौकरियां चली गईं। जिन लोगों के पास नौकरियां हैं भी, उनके वेतन में तुलनात्मक रूप से काफी कम बढ़ोतरी हुई है, जबकि महंगाई काफी बढ़ गई है। इस तरह बहुत सारे लोगों के पास बचत के लिए पैसे हैं ही नहीं कि उन्हें वे बैंकों में रखें। बल्कि इसका उलट यह हुआ है कि छोटे-छोटे काम के लिए भी लोगों को कर्ज लेने पड़ रहे हैं। कर्ज पर ब्याज की भरपाई करना भी बहुत सारे लोगों के लिए कठिन बना हुआ है। बचत के बारे में लोग तब सोचते हैं, जब उनके पास जरूरी खर्चों से अधिक आमदनी होती है। मगर सरकार लगातार इस हकीकत पर पर्दा डालने का प्रयास करती रही है कि रोजगार और आमदनी के स्रोत लगातार घटे हैं। कुछ दिनों पहले आम बजट पेश करते हुए वित्तमंत्री ने खुद दोहराया था कि बेरोजगारी कोई समस्या नहीं है, गरीबी लगातार कम हो रही है। अगर सचमुच ऐसा होता, तो सरकार को इस तरह बचत बढ़ाने को लेकर चिंतित न होना पड़ता। बैंकों में लोगों द्वारा जमा बचत से राष्ट्रीय बचत बनती है। जिस देश के पास राष्ट्रीय बचत जितनी अधिक होती है, उसे अपनी विकास परियोजनाएं चलाने में उतनी ही आसानी होती है। मगर इस वक्त जब चालू खाते में जमा की दर चिंताजनक देखी जा रही है, तो लंबे समय के लिए चलाई जाने वाली बचत योजनाओं में निवेश को लेकर क्या ही दावा किया जा सकता है। अगर बैंक आकर्षक योजनाएं लेकर आएंगे और उन पर अधिक ब्याज की पेशकश भी करेंगे, तो कितने लोग आकर्षित हो पाएंगे, कहना कठिन है। सरकारी योजनाओं के तहत कर्ज देने की बाध्यता और उनके वापस न लौट पाने, फिर बड़े पैमाने पर कर्जमाफी के चलते भी सार्वजिनक बैंकों के जमा और कर्ज में अंतर आया है। ऐसे में, सरकार बुनियादी पहलुओं पर काम करने के बजाय बैंकों पर दबाव बना कर शायद ही इस समस्या से पार पा सकेगी।

बंधन में सुख नहीं: मुनि श्री समत्व सागर

धूमधाम से मनाया भगवान पार्श्वनाथ का मोक्षकल्याणक

जयपुर. शाबाश इंडिया

टोंक रोड स्थित कीर्ति नगर जैन मंदिर में हुई धर्मसभा में बच्चों,युवाओं को जीवन में वास्तविक सुख की कला सिखाते हुए परम पूज्य आचार्य श्री 108 विशुद्ध सागर के परम प्रभावक शिष्य मुनिश्री 108 समत्व सागर जी महाराज ने कहा कि आज सांसारिक प्राणी सुख की खोज में लगे हुए है,लेकिन फिर भी वे कभी भी वास्तविक सुख को प्राप्त नहीं कर पाते है। संसार के सभी लोग यही चाहते है कि मैं सुख को प्राप्त कर सकता हूं,कहीं ना कहीं मैं ऐसा करता हूं,जो मुझे सुख की ओर ले जाती है,मुझे अपने जीवन में कैसे जीना है,ऐसा मैं सीख लेता हूं और जो मैं चाहता हूं,वो मुझे प्राप्त हो जाता हूं। ऐसी ही कुछ विचार राजकुमार पारसकुमार के जीवन में आया था जिन्होंने विचार किया कि क्या मेरे जीवन में क्या सुख है और सुख नहीं है तो उसका उपाय क्या है तो में सुख को खोजता हूं। अगर हमें सुख चाहिए और ऐसा सुख जिसके पुनः दुख ना मिले । तब उन्होंने सुख की खोज प्रारंभ कर दी। जीवन में सुख कभी भी सुख बंधन में प्राप्त नहीं हो सकता। जब भी सुख मिलेगा वो बंधन से प्राप्त नहीं हो सकता। जीवन में जब भी बंधन रहेगा तो वह सुख नहीं होगा। जीवन में जितने बंधन बढ़ते जाते है,जीवन में उतने ही दुख बढ़ते जाते है। उन्होंने आगे कहा कि जीवन में अपनी जिंदगी कैसे मैनेज करें,जिससे मैं अपने जीवन को सुखी बना पाउं और अपने लक्ष्य को कैसे प्राप्त कर पाउं। जिस वेषभूषा के लिए लोग आपका सम्मान करते करें,इउस वेषभूषा का अपनाना और जिस वेषभूषा को देखकर स्वयं से नजरें नहीं मिला पाए असकों कभी मत अपनाना। जितनी वेशभूषाए वे तुम्हारे परिणाम को बताने वाली होती है। हम किस तरह की वेशभूषा पहन रहे है। जिसके वचनों से वासनाएं झलकती है,वह वेशभूषा कभी जैन कुलों की वेशभूषा नहीं हो सकती। जीवन में हम सभी सभी को मर्यादित वेशभूषा पहनना चाहिए। हम सभी को अपने जीवन भगवान पार्श्वनाथ के जीवन को अपने जीवन में परम लक्ष्य यानि मोक्ष को प्राप्त कर जीवन में रपम सुख को प्राप्त करना चाहिए। धर्मसभा के प्रारंभ में चित्र अनावरण का पुण्य इंडियन बैंक के सीमडी शांतिलाल जैन व उनकी पत्नी को प्राप्त हुआ। इस मौके पर चातुर्मास के पोस्टर का विमोचन समाजश्रेष्ठी राजीव जैन, इंडियन बैंक के सीमडी शांतिलाल जैन, मंदिर प्रबंध समिति के अध्यक्ष अरुण जैन व महामंत्री जगदीश चन्द जैन, प्रचार प्रसार मंत्री आशीष बैद ने किया। इस मौके पर भगवान पार्श्वनाथ का मोक्ष कल्याणक धूमधाम से मनाया गया। इस मौके पर मुनिश्री के सानिध्य में श्रीजी का अभिषेक सहित अनेक आयोजन हुए। इस मौके पर प्रथम लड्डू चढ़ाने का सौभाग्या समाजश्रेष्ठी अनिल-कुसुम सौगानी को प्राप्त हुआ।

पंचतीर्थ जिनालय में भक्ति भाव से मनाया भगवान पार्श्वनाथ का मोक्ष कल्याणक

जयपुर. शाबाश इंडिया

23 वें तीर्थकर भगवान पार्श्वनाथ स्वामी का मोक्ष कल्याण महोत्सव रविवार को बापू नगर के पंडित टोडरमल स्मारक भवन के पंचतीर्थ जिनालय पर भक्ती भाव से मनाया गया। प्रातः काल की मंगल बेला में सीमंधर जिनालय में नित्य अभिषेक के बाद पंचतीर्थ जिनालय में बने शाश्वततीर्थ श्री सम्मेद शिखर जी की रचना पर स्थित भगवान पार्श्वनाथ स्वामी की भव्य खडगासन प्रतिमा का जलाभिषेक श्रद्धालुओं ने हीरा चन्द बैद के निर्देशन में किया। पंडित समकित शास्त्री के साथ में सभी श्रद्धालुओं ने सामूहिक रूप से निर्वाणकाण्ड भाषा का पाठ करके मोक्ष कल्याणक अर्घ्य के उच्चारण के साथ श्री फल चढ़ाया। भगवान पार्श्वनाथ स्वामी के जयकारों से समूचा स्मारक भवन गुंजायमान हो गया। वीतराग विज्ञान महिला मण्डल की सदस्यों ने मोक्ष कल्याणक महोत्सव में बहुत ही उत्साह के साथ भाग लिया। इससे पूर्व बड़े पंडित जी ब्रह्मचारी रविन्द्र जी आत्मन द्वारा लिखित पार्श्वनाथ स्वामी की संगीतमय पूजा प्रसिद्ध युवा गायक पं.रिवांशू शास्त्री व सहयोगियों द्वारा बहुत भक्ति भाव से कराई गई। बीच- बीच में डा. शांति जी पाटिल ने पूजा का बहुत ही मार्मिक अर्थ समझाया। इससे पूर्व गत चार अगस्त से प्रारम्भ हुए 47 वे आध्यात्मिक शिक्षण शिविर में चल रहे श्री प्रवचनसार महामंडल विधान का समापन विभिन्न मंत्रोचारण के साथ हुआ । हीरा चन्द बैद ने बताया कि इस अवसर पर पंडित टोडरमल स्मारक ट्रस्ट के महामंत्री परमात्म प्रकाश भारिल्ल, श्रीमती कमला भारिल्ल, श्रीमती गुणमाला भारिल्ल बापू नगर के कैलाश बक्शी, प्रदीप जैन, प्रकाश सांघी, मंयक बैद, पंडित पीयूष शास्त्री व भारी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। वीतराग विज्ञान महिला मण्डल की अध्यक्ष श्रीमती सुशीला अलवर वालों के सानिध्य में मण्डल की सदस्य नमिता छाबड़ा, सुनिता जैन, कुसुम संघी, संगीता जैन, रंजु बाकलीवाल, सुधा बज, सरोज कटारिया, रानी पाटनी, दीपाली संघी, कमलेश बाकलीवाल, पुष्पा बज, प्रियंका जैन, बेला बज, रचना बैद सहित, आशा पाटील व अन्य सदस्यों ने बहुत ही भक्ति भाव से नृत्य करते हुए मोक्ष कल्याणक का श्रीफल चढ़ाया।

हीरा चन्द बैद

श्री पारसनाथ दिगंबर जैन मंदिर ताजगंज में मनाया मोक्ष कल्याणक महोत्सव

आगरा. शाबाश इंडिया

11 अगस्त को सकल दिगंबर जैन समाज ताजगंज के तत्वावधान में ताजगंज स्थित अतिशयकारी श्री पारसनाथ दिगंबर जैन पंचायती मंदिर में जैन धर्म के 23वें तीर्थंकर श्री पारसनाथ भगवान का निर्वाण कल्याणक महोत्सव बड़े उल्लासपूर्ण के साथ मनाया गयोमहोत्सव में सर्वप्रथम प्रथम स्वर्ण झरि से प्रभु की शांतिधारा संजय कुमार मधुर जैन विभव नगर, द्वितीया स्वर्ण झारी से नीरज जैन एव प्रथम अभिषेक सचिन जैन राहुल जैन ने कौ भक्तों ने बाल ब्रह्मचारिणी गीता दीदी के कुशल निर्देशन में श्री पारसनाथ विधान की मांगलिक क्रियाएं संपन्न कौं इसके बाद 23 परिवारों ने बड़े भक्तिभाव के साथ प्रभु पारसनाथ के समक्ष लाडू अर्पण किए। विधान का मुख्य कलश लेने का सौभाग्य श्रीमति प्रियंका जैन को मिलो इस दौरान पूरा मंदिर परिसर प्रभु पारसनाथ के जयकारों से गुंजयमान रहा। इस अवसर पर संजय कुमार जैन,संजयबाबू जैन,विजय जैन,योगेश जैन,पारस जैन, विनय जैन,उत्सव जैन,मीरा जैन,रितु जैन, अनुराधा जैन,गीता जैन,हेमलता जैन, रेशि जैन,स्वाति जैन,मिनी जैन समस्त ताजगंज जैन समाज के लोग बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। **रिपोर्ट शुभम जैन**

शाही लवाजमे के साथ निकली पारीक समाज के जनक महर्षि पराशर जी की शोभायात्रा

जयपुर. शाबाश इंडिया। पारीक समाज के जनक महर्षिपराशर जी की शोभायात्रा रविवार को धूमधाम व गाजे बाजे के साथ निकाली गई। इस दौरान शोभायात्रा में काफी संख्या में समाजबंधु पहुंचे और जयकारें लगाकर वातावरण को भक्तिमय बना दिया। पारीक महासभा समिति के महासचिव लक्ष्मीकान्त पारीक ने बताया कि पुरानी बस्ती, बारह भाइयों का चौराहा के पास स्थिते श्री ठाकुर जी गोपाल जी महाराज मदिर से यह शोभायात्रा रवाना हुई। शोभा यात्रा का शुभारम्भ पूर्व विधायक, सुरेन्द्र पारीक ने आरती उतारकर किया। यहां से शोभायात्रा दीनानाथ जी का रास्ता, नाहरगढ़ रोड़, गोविन्द रायजियों का रास्ता, कान महाजन का बड़, ईमली वाला चौराहा, जयलाल मुंशी का रास्ता, भीत के बालाजी, जगजीत महादेव मन्दिर नाहरगढ़ रोड़ होते हुए नादरजी के मन्दिर राजा शिवदास जी के रास्ते पर विसर्जन की गई। महासचिव पारीक ने बताया कि शोभा यात्रा में हाथी, घोडे, ऊँट व घोडा बग्गी के साथ निकाली गई और स्थान-स्थान पर लोगों ने पुष्प वर्षा व शर्बत पिलाकर भव्य शोभा यात्रा का स्वागत किया। हवामहल विधायक महंत बालमुकुंदाचार्य ने गोविन्द रायजी के रास्ते में आरती उतारी व पूर्व विधायक, मोहन लाल गुप्ता ने गोपीनाथ जी के मन्दिर के बाहर आरती उतारी। शोभा यात्रा का सभी समाज के लोगों ने भव्य स्वागत किया। शोभा यात्रा में पारीक महासभा समिति के अध्यक्ष, के.के. पारीक, महासभा समिति के सभी पदाधिकारियों सहित पारीक समाज के लोग बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

भगवान पार्श्वनाथ स्वामी का मोक्ष कल्याण दिवस मनाया गया

राजेश जैन दद्दू. शाबाश इंडिया

बाकानेर। 23 वे तीर्थंकर श्री पारस नाथ भगवान का मोक्ष कल्याण मनाया श्री 1008 पारसनाथ भगवान का मोक्ष कल्याण के अवसर बाकानेर जैन मंदिर के मूलनायक श्री 1008 पारसनाथ भगवान के अभिषेक वह शांति धारा की गई उसके बाद भगवान के मोक्ष कल्याण के अवसर पर सभी समाज जन अपने प्रतिष्ठानों वह घरों के बन्द कर मन्दिर जी में अपने घरों से भगवान के 23 निर्वाण लाडू बनाकर लायें वह सभी ने निर्वाण लाडू चढ़ाया उसके बाद सभी समाज जन ने सामूहिक रूप से पारस नाथ विधान किया पारसनाथ भगवान के मोक्ष कल्याण के अवसर प्रथम शांति धारा वह अभिषेक करने का अवसर शीतल पूरब काला परिवार को मिला ,दूसरी शांति धारा करने का लाभ मन्जु किरण विनोद दोशी परिवार

को मिला, तीसरी शांति धारा करने का लाभ रूपाली नितिन गंगवाल परिवार को मिला दूसरे मन्दिर के मूलनायक 1008 श्री पारस नाथ भगवान की प्रतिमा विराजमान होने के बाद प्रथम बार शांति धारा करने का लाभ श्रीमती मंजु हुकमचन्द सेठी परिवार को मिला। पारसनाथ भगवान के विधान मंडल में पूजा सामग्री चढ़ाने में श्रीफल नारियल चढ़ाने का लाभ श्रीमती इंदुमती बरखां बडजात्या परिवार को मिला अक्षत सामग्री चढ़ाने का लाभ हिरामणी ऐना पल्लवी शीला गोधा परिवार को मिला। विधानमंडल में मंगल कलशों को रखने का लाभ श्रीमती किरण दोशी प्रतिभा जैन वर्षा जैन सीमा जैन पूजा रावका को मिला। विधानमंडल में आज जिनवाणी विराजमान करने का लाभ श्रीमती सीमा प्रतिक बडजात्या परिवार मिला । विधानमंडल में अष्ट प्राप्तीहारिया विराजमान करने का लाभ श्रीमती अंजली गंगवाल वर्षा जैन किरन दोषी प्रतिभा जैन चंचल बडजात्या प्रिया बड़जात्या को मिला आज पारस नाथ भगवान के मोक्ष कल्याण के अवसर नन्हे बच्चों कनिष्का गोधा सिद्धधाशी राठी आर्या गोधा ने निर्जला उपवास की साधना की समाज अध्यक्ष विनोद दोशी ने कहा कि सभी समाज जन महिला पुरूष वर्ग ने पारसनाथ भगवान के मोक्ष कल्याण के अवसर अपनी सहभागिता की।

श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर द रॉयल एवेन्यू टोंक रोड सीताबाडी सांगानेर में श्री पार्श्वनाथ भगवान के मोक्ष कल्याणक पर निर्वाण लाडू चढ़ाया

जयपुर. शाबाश इंडिया। सावन शुक्ल सप्तमी श्री 1008 पार्श्वनाथ भगवान के मोक्ष कल्याणक दिवस के उपलक्ष में श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर द रॉयल एवेन्यू टोंक रोड सीताबाडी सांगानेर में श्री जी के अभिषेक एवं शांतिधारा के बाद लाडू अर्पण कर विघ्नहरन पार्श्वनाथ मंडल विधान पूजन किया गया।सायं काल को श्री जी की महा आरती की गयी। महावीर गोदिका ने बताया कि इस अवसर पर अध्यक्ष रमेश जैन, महेंद्र, सुनील , गुलाब बिहार, डा राहुल बिलाला, नितिन जैन ,स्वेतांक जैन , रतनलाल फागीवाले,राहुल,अशोक बागड़ी वाले, श्रीमती नीरू, कंचन, सपना, मंजू, राजेश पीपलू वाले,राजेंद्र गोटे वाले गौरव, चिरंजीलाल भगवतगढ वाले, आर्जव आदि उपस्थित थे।

23 किलो का निर्वाण लाडू चढ़ाकर मनाया गया भगवान पार्श्वनाथ मोक्ष कल्याणक महोत्सव

आगरा. शाबाश इंडिया। 11 अगस्त को आगरा नगर की प्रथम एक मात्र श्याम वर्णी भगवान पार्श्वनाथ की प्रतिमा जी से सुशोभित श्री 1008 पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर शालीमार एनक्लेव कमला नगर में मेडिटेशन गुरु उपाध्याय मुनि श्री विहसंत सागर जी मुनिराज संसघ के मंगल सानिध्य में भगवान पार्श्वनाथ निर्वाण महोत्सव के अन्तर्गत सर्वप्रथम मूलनायक भगवान पार्श्वनाथ की महामस्तकाभिषेक एवं शांतिधारा करने का सौभाग्य पारस जैन प्रॉपर्टी एवं ए बी जैन परिवार को मिला साथ नित्य नियम पूजन के पश्चात मुनि श्री अपने प्रवचन में भगवान पार्श्वनाथ के निर्वाण कल्याणक के विषय पर श्रद्धालुओं को बताया साथ ही मध्य में पूज्य मुनि श्री ने अपने मुखारविंद से समस्त समाज के बीच आगरा में एक और नवीन जिनालय भगवान पद्मप्रभु से सुशोभित होने वाले अवधपुरी में जैन मंदिर की घोषणा की जिसमें सर्वप्रथम महामहिम शिरोमणि ट्रस्टी बनने की स्वीकृति श्रीमती मधु जैन पारस जैन प्रॉपर्टी परिवार प्रदान की साथ ही अन्य श्रेष्ठियों ने भी बढ़ चढ़कर भूमि प्रदान करने हेतु अपनी स्वीकृति प्रदान की। जिसके पश्चात 23 किलो के मुख्य लाडू चढ़ाने का सौभाग्य श्रीमती मधु पारस जैन प्रॉपर्टी को मिला, द्वितीय लाडू अभिषेक जैन ऋचा जैन परिवार को मिला, तृतीय लाडू चढ़ाने का सौभाग्य अभिनंदन जैन पीएनसी परिवार को मिला साथी 1 किलो के 23 लाडू 23 परिवारों के साथ समस्त समाज ने भक्ति करते हुए प्रभु पारसनाथ के समक्ष निर्वाण लाडू चढ़ाया। शालीमार जैन मंदिर व्यवस्था समिति द्वारा वात्सल्य भोज कराया गया जिसकी व्यवस्था शैलेंद्र जैन रपरिया ने संभाली कार्यक्रम में मुख्य रूप से अर्पितमय वषायोग समिति से रोहित अहिंसा, मनोज बाकलीवाल, मंदिर व्यवस्था समिति से राजू गोधा, राजकुमार जैन गुड्डू, संजू गोधा, रूप सोनी विनीत जैन, अजय जैन, मुकेश रपरिया, अनिल अहिंसा, संजय जैन आदि के साथ समस्त आगरा सकल जैन समाज के लोग बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

लायंस क्लब कोटा सेंट्रल का न्यूरो परामर्श शिविर संपन्न

आजाद शेरवानी. शाबाश इंडिया

कोटा। लायंस क्लब कोटा सेंट्रल द्वारा निःशुल्क न्यूरो परामर्श शिविर का आयोजन किया गया। क्लब अध्यक्ष मधु ललित बाहेती ने बताया कि लायन्स क्लब कोटा सेन्ट्रल की और से न्यू मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल के सामने 29 आरोग्य नगर में न्यूरो से संबंधित बीमारियों की जांच एवं परामर्श का निःशुल्क शिविर लगाया गया। शिविर में एथोस हॉस्पिटल के न्यूरोलोजिस्ट कंसलटेंट डॉ आशीष पेमावत एम डी, डी एम (न्यूरोलॉजी) ने मरीजों की नसों से संबंधी बीमारियों, रीढ़ की हड्डी, लकवा साइटिका, स्ट्रोक आदि के लिए परामर्श दिया। शिविर संयोजक ममता गुप्ता और प्रमिला अग्रवाल ने बताया की शिविर में 70 मरीजों को देख कर दवा एवम जांच लिखी गई। ललित बाहेती ने बताया की शिविर में सभी मरीजों की न्यूरोपैथिक पेन, लिपिड प्रोफाइल, बोन मेरो डेंसिटी, शुगर व बी पी की जांचे भी निःशुल्क की गई। पुरषोत्तम चित्तौड़ा एवं गायत्री चित्तौड़ा का भी शिविर में सहयोग रहा।

नेटथियेट पर लहर-ए-गजल का आयोजन

आंधियां गम की चली तो संवर जाऊंगा, मैं तेरी जुल्फ नहीं हूं कि बिखर जाऊंगा

जयपुर. शाबाश इंडिया। नेटथियेट कार्यक्रम की श्रृंखला में आज लहर-ए-गजल कार्यक्रम में अजमेर शहर के उभरते गजल सिंगर नवदीप सिंह झाला ने अपनी मखमली आवाज में सुप्रसिद्ध गजलों का गुलदस्ता पेश कर मौसिकी से रूबरू कराया। नेटथियेट के राजेन्द्र शर्मा राजू ने बताया कि कलाकार नवदीप ने अपने कार्यक्रम की शुरूआत सुप्रसिद्ध शायर राहत इंदौरी की गजल तेरी हर बात मोहब्बत में गवारा करके, दिल के बाजार में बैठे हैं खसारा करके से की ।इसके बाद उन्होंने बहादुर शाह जफर की एक गजल आंधियां गम की चलेगी तो संवर जाऊंगा, मैं तेरी जुल्फ नहीं हूं कि बिखर जाऊंगा फिर शहजाद अहमद शायर की अपनी आंखों से लगता क्या है, एक नजर मेरी तरफ भी तेरा जाता क्या है और शायर ताहिर फराज की गजल काश ऐसा मंजर होता, मेरे कंधे पर तेरा सर होता को जब अपनी पुरकशिश आवाज में इन गजलों को सुनाया तो दर्शक वाह-वाह कर उठे और अंत में शायर नासिर काजमी की सुप्रसिद्ध गजल दिल में एक लहर सी उठी है अभी कोई ताजा हवा चली है अभी पेश कर अपनी गायिकी का परिचय दिया। इनके साथ देश के जानेमाने तबला वादक गुलाम गौस ने अपनी उंगलियों का जादू दिखाकर गजल की इस महफिल को परवान चढाया। वायलिन पर अशोक पवार ने शानदार संगतकर कार्यक्रम को ऊंचाइयां दी। कार्यक्रम संयोजक नवल डांगी तथा कार्यक्रम में इम्पीरियल प्राइम कैपिटल के कला रसिक मनीष अग्रवाल की ओर से कलाकारों को स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। कैमरा मनोज स्वामी, संगीत संयोजन विनोद सागर गढवाल, मंच सज्जा जीवितेश शर्मा व अंकित शर्मा नानू की रही।

गोठी स्कूल में विद्यार्थी परिषद का गठन और तिरंगा दिवस का आयोजन

अमित गोधा. शाबाश इंडिया

ब्यावर। तिरंगा दिवस के उपलक्ष में भंवरलाल गोठी पब्लिक सीनियर सेकंडरी विद्यालय के विद्यार्थियों ने भगत चौराहे से आरंभ रैली में भाग लिया तत्पश्चात जिला शिक्षा अधिकारी शिव कुमार दुबे व सहायक प्रशासनिक अधिकारी नारायण सिंह और तिरंगा कार्यक्रम के संयोजक यशपाल शर्मा का स्वागत विद्यालय प्राचार्य डॉक्टर निवेदिता पाठक द्वारा एवं विद्यालय बेंड की मधुर ध्वनि के साथ किया गया। साथ ही विद्यालय की बालिकाओं ने स्वागत गीत गाकर अतिथियों का अभिनंदन किया। दुबे जी द्वारा नवगठित विद्यार्थी परिषद के पदाधिकारी विद्यार्थियों रजत कोठारी, प्रियांशी सुराणा, वैदिक देसरिया, दक्षित्ता जैन, रक्षिता बंसल, तन्मय महेश्वरी, छवि गोयल, रिद्धिमा बंसल, और यशवर्धन को शपथ दिला कर सैशे पहनाकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर पधारे हुए अतिथियो ने विद्यार्थियों को अनुशासन में रहकर अपनी जिम्मेदारियों का निर्वाह करने हेतु शपथ ग्रहण करवाई। तिरंगा दिवस के उपलक्ष में गोठी विद्यालय के शिक्षक राकेश सेन श्रीमती कनक लता श्रीमती मेरी डेनियल, श्रीमती रेनू यादव, श्रीमती कविता राठोड़, आशुतोष गोस्वामी एवं अमनप्रीत सिंह द्वारा सनातन धर्म राजकीय महाविद्यालय में भारत का नक्शा व तिरंगा बनाकर अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। कार्यक्रम का मंच संचालन श्रीमती अनुपमा दाधीच और गायन संगीत श्रीमती दिव्या अग्रवाल और बैंड संचालन गोतम चौहान द्वारा किया गया। इस अवसर पर श्री वर्द्धमान शिक्षण समिति के मंत्री डॉ नरेन्द्र पारख, निदेशक डॉ आर सी लोढा, प्रधानाचार्या डॉ निवेदिता पाठक ने सभी विद्यार्थी परिषद के सदस्यों को अपनी जिम्मेदारी पूर्ण निष्ठा व कर्तव्य के साथ पूर्ण करने के लिए प्रेरित किया।

पार्श्वनाथ भगवान का मोक्ष कल्याण महोत्सव बड़े धूमधाम से मनाया

अमित गोधा. शाबाश इंडिया

ब्यावर। दिगम्बर जैन समाज द्वारा पार्श्वनाथ भगवान का मोक्ष कल्याण महोत्सव बड़े ही धूमधाम के साथ मनाया गया। सभी जिनालयो में प्रातः श्री जी का रजत कलशों से अभिषेक शांतिधारा व पूजन अर्चना की गई है। श्री दिगंबर जैन समाज के प्रवक्ता अमित गोधा ने बताया श्री दिगंबर जैन पंचायत नसियाँ में देवादिदेव 1008 श्री चिंतामणी पार्श्वनाथ भगवान का मोक्ष कल्याणक महोत्सव बड़ी धूम धाम से बनाया गया। निर्वाण महोत्सव का मोदक चढाने का सौभाग्य श्रेष्ठी वीर कुमार, कमल कुमार अनिता सन्मति साक्षी हर्षिता राँवका परिवार को प्राप्त हुआ। श्रेष्ठी परिवारों को श्री दिगम्बर जैन पंचायत की तरफ से तिलक माला पहनाकर व साफा पहनाकर बहुमान किया गया। श्री 1008 पारसनाथ भगवान के मोक्ष कल्याणक पर्व के अवसर पर श्री दिगम्बर जैन पंचायत द्वारा उपवास करने वाले सभी बच्चों के लिए सामूहिक पूजन का आयोजन श्री दिगंबर जैन पंचायती नसिया में किया गया। इस अवसर पर दिगंबर जैन पंचायत के अध्यक्ष अशोक काला मंत्री दिनेश अजमेरा श्री पाल जैन अतुल पाटनी तारा चन्द जैन हरीश जैन सुशील बड़जात्या उदित बाकलीवाल दीपक जैन अनिल कटारिया नवीन बाकलीवाल संजय जैन सुरेन्द्र छाबड़ा सहित सकल दिगम्बर जैन समाज के महिला पुरूष बच्चे उपस्थित थे।

मोक्ष की प्राप्ति होना जीवन का सार्थक होना है: आचार्य श्री आर्जव सागर जी

सौरभ जैन. शाबाश इंडिया

पिड़ावा। श्री सांवलिया पार्श्वनाथ दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र बड़ा मंदिर, पुष्पदंत जिनालय लाल मंदिर नयापुरा, श्री पार्श्वनाथ नया मन्दिर, श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन जुना मन्दिर, पंचबालयति मन्दिर स्वाध्याय भवन,चेत्यालय, भक्तामर विश्वधाम डोला, कोटड़ी जिनालयों में निर्वाण लाडू चढ़ाये गये। समाज प्रवक्ता मुकेश जैन चेलावत ने बताया कि श्रावण शुक्ल सप्तमी के दिन 23 वें तीर्थंकर पार्श्वनाथ भगवान का मोक्ष कल्याणक दिवस निर्वाण महोत्सव बड़े ही हर्ष और उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर सभी मन्दिरो में निर्वाण लाडू चढ़ाये गये। श्री सांवलिया पार्श्वनाथ दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र बड़े मन्दिर में आचार्य 108 श्री आर्जव सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में अभिषेक, शांतिधारा व संगीत मय पार्श्वनाथ महा मण्डल विधान, प्रवचन के बाद श्री सम्मेद शिखर की रचना के माध्यम से निर्वाण लाडू चढ़ाया गया। इस अवसर पर मूलनायक भगवान श्री सांवलिया पार्श्वनाथ भगवान पर प्रथम अभिषेक करने का सौभाग्य प्रधुमन जैन बानोर वाले परिवार को प्राप्त हुआ। वही आचार्य श्री ने प्रवचन में बताया कि मोक्ष की प्राप्ति होना जीवन का सार्थक होना माना जाता है। जब तक मनुष्य इस संसार में जीवित रहता है तब तक उसे कोई ना कोई चिंता जरूर सताती है, और ऐसे में मोक्ष का कोई अर्थ नहीं रह जाता है, लेकिन जब किसी को पूर्णतया मोक्ष की प्राप्ति हो जाती है तो उसके जीवन का अर्थ सार्थक हो जाता है। इस मान्यता के साथ इस दिन को मोक्ष सप्तमी के रूप में मनाते हैं। इस दिन खास तौर पर बालिकाऐं निर्जला उपवास करती है। दिन भर पूजन, स्वाध्याय ,मनन, चिंतन देव, शास्त्र, गुरू की आराधना करती है।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

भगवान पार्श्वनाथ का मोक्ष कल्याणक "मोक्ष सप्तमी" महापर्व भक्तिभाव से मनाया

अतिशय क्षेत्र खंडेला, रैवासा सहित शहर के समस्त जैन मंदिरों में हुए धार्मिक आयोजन। पूजन विधान कर निर्वाण लाडू किया समर्पित

सीकर. शाबाश इंडिया

प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी श्रावण शुक्ल सप्तमी के दिन जैन धर्म के तेईसवें तीर्थंकर भगवान पार्श्वनाथ का मोक्ष कल्याणक दिवस मुकुट सप्तमी/ मोक्ष सप्तमी के रूप में भक्तिभाव से शहर के समस्त जैन मंदिरों में विशेष पूजा अर्चना, पार्श्वनाथ विधान आयोजित कर भक्तिभाव से मनाया गया । इस अवसर पर जैन मंदिरों में भगवान पार्श्वनाथ को निर्वाण लाडू समर्पित किया गया। समाज के प्रवक्ता विवेक पाटोदी ने बताया कि इस दिन खास तौर पर जैन समाज की बालिकाएं सामूहिक रूप से निर्जला उपवास करती है। दिन भर पूजन, स्वाध्याय, मनन - चिंतन , सामूहिक प्रतिक्रमण करते हुए संध्या के समय देव-शास्त्र-गुरु की सामूहिक भक्ति कर आत्म चिंतन करती है। दूसरे दिन इनका पारणा होता है ।

दंग की नसियां मंदिर जी सीकर

बड़ा मंदिर कमेटी के महेश बाकलीवाल व अजीत जयपुरिया ने बताया कि बजाज रोड़ स्थित दंग की नसियां मंदिर जी में मूलनायक पार्श्वनाथ भगवान की विशेष अभिषेक शांतिधारा

हुई, इसके पश्चात मंदिर जी में पार्श्वनाथ विधान आयोजित किया गया। नित्य पूजन पश्चात निर्वाण लाडू समर्पित किया गया ।निर्वाण लाडू समर्पित करने का सौभाग्य परमानंद राजकुमार मोदी परिवार को प्राप्त हुआ। दीवान जी की नसियां मंदिर जी के शशि दीवान ने बताया कि मोक्ष सप्तमी पर मंदिर जी में मूलनायक पार्श्वनाथ भगवान की वृहद शांतिधारा हुई व विधान पूजन आयोजित किया गया।

खंडेलवाल दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र खंडेला में हुआ वार्षिक मेले का आयोजन

दिगम्बर जैन खण्डेलवाल जाति की मातृभूमि एवं 84 गोत्रों का उद्गम स्थान खण्डेला स्थित खंडेलवाल दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र खंडेला में प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी मुलनायक श्री पार्श्वनाथ भगवान के मोक्ष कल्याणक के शुभावसर पर वार्षिक उत्सव मनाया गया । प्रातः वार्षिक मेले का प्रारंभ झंडारोहण से किया गया । प्रबंध समिति के महेश लालास वाले ने बताया कि झंडारोहण का सौभाग्य श्रीमती नेमी देवी संगही मातेश्वरी किशोर कुमार संजय कुमार अजय कुमार संगही परिवार को प्राप्त हुआ । इसके पश्चात पार्श्वनाथ विधान आयोजित किया गया। विधान का सौभाग्य महेश कुमार मोहित कुमार सेठी खूड़ वाला परिवार को प्राप्त हुआ। वार्षिक मेले में विभिन्न मांगलिक क्रियाओं में मिश्रीलाल महेश कुमार अंकित कुमार काला धोद निवासी इंफाल प्रवासी , शिखरचंद राजेश कुमार ललित कुमार बाकलीवाल परिवार दीमापुर , महेश कुमार मनीष कुमार काला लालास वाले परिवार द्वारा सहयोग प्रदान कर पुण्यार्जन प्राप्त किया । इस अवसर पर विभिन्न स्थानों से जैन धर्मावलंबी सम्मिलित हुए।

अतिशय क्षेत्र रैवासा स्थित नसियां जी में आयोजित हुआ मोक्ष कल्याणक महोत्सव

निकटवर्ती ग्राम रैवासा स्थित श्री दिगंबर जैन भव्योंदय अतिशय क्षेत्र रैवासा के नसियां जी मोक्ष सप्तमी महोत्सव भक्तिभाव से मनाया गया। नसियां जी मे सहस्त्रफणी पार्श्वनाथ भगवान की विशाल पद्मासन प्रतिमा विराजित हैं ।प्रबंध समिति के देवेंद्र बॉबी छाबड़ा व सुनील बड़जात्या ने बताया कि मोक्ष सप्तमी के अवसर पर अभिषेक , वृहद शांतिधारा पश्चात निर्वाण लाडू समर्पित किया गया। समस्त मांगलिक क्रियाएं निर्मल कुमार जिनेन्द्र कुमार झांझरी दांता वाले परिवार निवासी दीमापुर द्वारा की गई । विवेक पाटोदी ने बताया कि मोक्ष सप्तमी के दिन भगवान पार्श्वनाथ को तीर्थराज सम्मेद शिखर जी पर मोक्ष प्राप्त हुआ था। अतः यह तिथि जैन धर्मावलंबियों के लिए विशेष महत्व रखती है । जैन धर्म के अनुयायी इस पावन पर्व पर दिगंबर और श्वेतांबर सभी अपने जैन मंदिरों में 23वें तीर्थंकर भगवान पार्श्वनाथ की विशेष पूजा, आराधना, शांतिधारा करके निर्वाण लाडू चढ़ाते है ।

मोक्ष स्थली श्री सम्मेदशिखर जी

भगवान पार्श्वनाथ ने 30 वर्ष की आयु में गृह त्याग कर संन्यासी बन गए और पौष महीने की कृष्ण एकादशी तिथि को दीक्षा ग्रहण की । मात्र 83 दिन तक कठोर तपस्या करने के बाद 84वें दिन चैत्र कृष्ण चतुर्थी को उन्हें सम्मेद पर्वत पर कैवल्य ज्ञान की प्राप्ति हुई तथा श्रावण शुक्ल सप्तमी के दिन सम्मेदशिखर जी तीर्थ के पारसनाथ पहाड़ पर निर्वाण प्राप्त हुआ था । यह तीर्थ भारत के झारखंड प्रदेश के गिरिडीह जिले में मधुबन क्षेत्र में स्थित है। श्रावण सप्तमी के खास दिन भगवान पार्श्वनाथ की मोक्ष स्थली श्री सम्मेद शिखर जी पारसनाथ की पवित्र भूमि पर देश के कोने-कोने से हजारों की संख्या में जैन श्रद्धालु आकर पारसनाथ भगवान का महान पर्व 'मोक्ष कल्याणक दिवस' मनाते हैं।

23 रसों से पंचामृत अभिषेक कर 23 किलो का निर्वाण लड्डू चढ़ाया

व्यसन, फैशन व मोबाइल से समाज मे दुष्प्रभाव बढ़ रहा है: आचार्य श्री वर्धमान सागर जैनेश्वरी दीक्षा के बाद पाना देवी बनी आर्यिका तपनमति

पारसोला. शाबाश इंडिया

आज मूलनायक पार्श्वनाथ स्वामी का निर्वाण महोत्सव श्रद्धालुओं ने संयम व सादगी के साथ मनाया गया। कस्बे में चातुर्मास के लिए विराजमान परमपूज्य वात्सल्य वारिधि आचार्य श्री वर्धमान सागर ससंघ के सानिध्य में मूलनायक पार्श्वनाथ जैन मंदिर में पार्श्वनाथ स्वामी की प्रतिमा का 23 पुण्याजक परिवार द्वारा 23 रसों से एवं विमल ,महेंद्र पाटनी किशनगढ़ परिवार द्वारा भव्य पंचामृत अभिषेक व वृहद शांतिधारा कर निर्वाण लड्डू चढ़ाया गया । इसके बाद ससंघ के सानिध्य में सन्मति भवन में कृत्रिम सम्मेदशिखर पर्वत की रचना की गई थी । पार्श्वनाथ स्वामी की पूजा अर्चना कर पर्वत पर पाटनी परिवार व समाजजनों ने 23 किलो का लड्डू चढ़ाया। पाटनी परिवार ने दीप प्रज्वलित कर आचार्य श्री के पाद प्रक्षालन व जिनवाणी भेंट की । ससंघ के सानिध्य में कुंण निवासी ब्रह्मचरिणी पाना देवी का आचार्य श्री द्वारा जैनेश्वरी दीक्षा के संस्कार कर दीक्षा प्रदान की । पाना देवी बनी आर्यिका तपनमती माताजी जिन्हें परिवारजन ने पिच्छी कमण्डल व जिनवाणी भेंट की । इसके बाद बालिका मंडल द्वारा आचार्य श्री की भक्तिभाव से पूजन किया । मोक्ष सप्तमी पर आचार्य श्री धर्म देशना में बताया कि 23 वे तीर्थंकर भगवान पारसनाथ ने संसार परिभ्रमण से मुक्ति पाकर निर्वाण को प्राप्त किया। श्री महावीर स्वामी श्री पारसनाथ भगवान के पूर्व 22 तीर्थकरो ने जैन धर्म का प्रतिपादन किया। जीवन में कष्ट बहुत है ।भगवान पारसनाथ ने भी 10 जन्मों भवों तक उपसर्ग और कष्ट को प्राप्त किया । जीवन क्षणभंगुर है । रात्रि में श्रीजी व आचार्य श्री की मंगल आरती एवम कमठ का उपसर्ग की लघु नाटिका हुई ।

पार्श्वनाथ नाथ भगवान का कल्याणक मनाया

धांमनोद. शाबाश इंडिया

बिखरोन्न के जैन मंदिर में 23 वे तीर्थंकर भगवान 1008 श्री पार्श्वनाथ नाथ भगवान का कल्याणक मनाया गया व लाडू श्री चरणों मे चढ़ाए गए। श्रावण सुदी सप्तमी के अवसर पर 23 वे तीर्थंकर भगवान श्री पार्श्वनाथ जी का मोक्ष कल्याणक मंत्रोचार से स्वर्ण कलश व चांदी के रजत कलशों से अभिषेक किए। स्वर्ण कलश से अभिषेक धांमनोद में अजय जैन बिखरोन्न में मुकेश जैन विनय जैन व नितिन जैन ने किए व रजत कलश से शांतिधारा करने का सोभाग्य सुनील धनोते पीयूष नरेंद्र जैन धैर्य धीरेन्द्र जैन को मिला। शांतिधारा मीना दीपक प्रधान द्वारा करवाई गई। सामूहिक निर्माण कांड वाचन करते हुए निर्वाण लाडू चढ़ाया। जानकारी देते हुए अध्यक्ष महेश जैन व सचिव दीपक प्रधान ने बताया कि धांमनोद व बिखरोन्न मन्दिर में भव्य सजावट कर विधुत रोशनी भी की। शाम को आरती व भक्तामर आराधना पूर्णिमा नरेंद्र जैन की ओर से की गई। **-दीपक प्रधान की रिपोर्ट**

पार्श्वनाथ भगवान का मोक्ष कल्याणक निर्वाण लाडू चढ़ाया धुलियान में

धुलियान. शाबाश इंडिया

पश्चिम बंगाल । 11 अगस्त रविवार जैन धर्म के 23वे तीर्थंकर देवाधिदेव श्री पार्श्वनाथ भगवान का मोक्ष कल्याणक निर्वाण लड्डू अभिषेक शांतिधारा के पश्चात धूमधाम के साथ चढ़ाया गया। इस अवसर पर ऐसा लगा मानो शाश्वत तीर्थराज श्री सम्मेद शिखरजी पर्वत के पार्श्वनाथ टोंक के स्वर्णभद्र कूट पर मोक्ष निर्वाण लडडु हमसब चढ़ा रहे हो। उसके बाद कल्याण मंदिर स्तोत्र विधान पूजन किया तथा दोपहर को पार्श्वनाथ चालिसा का पाठ हुआ एवम सायः को भक्तिमय महाआरती का भव्य आयोजन हुआ। **रिपोर्ट : संजय कुमार जैन बड़जात्या**

मुकुट सप्तमी पर निर्वाण लाडू बड़े हर्ष और उल्लास के साथ चढ़ाया

नौगामा. शाबाश इंडिया

परम पूज्य पवित्र मति माताजी के सानिध्य में मुकुट सप्तमी के शुभ अवसर पर प्रातः सुखोदय तीर्थ नसिया जी 1008 भगवान महावीर समवशरण मंदिर 1008 आदिनाथ मंदिर जी में माता जी के सानिध्य में विशेष शांति धारा अभिषेक पिंडारमिया राजेंद्र द्वारा किया गया ।अभिषेक के बाद भगवान पारसनाथ की प्रतिमा गाजो बाजो के साथ पंडाल में लाकर गंनगोटी में विराजमान की गई जहां पर मुकुट सप्तमी के उपलक्ष में विशेष शांति धारा अभिषेक किया गया। अभिषेक करने का प्रथम सौभाग्य गांधी किरीट कुमार जयंतीलाल को प्राप्त हुआ इस अवसर पर विधानाचार्य रमेश चंद्र गांधी, अभिषेक शास्त्री सागर के सानिध्य में सम्मेद शिखर विधान की क्रियाएं प्रारंभ हुई। इस अवसर पर विशेष माडला बनाया गया था जहां पर मंगल कलश स्थापित किए गए। मंगल कलश गांधी जयंतीलाल मगनलाल, पिंडरमिया नरेश शांतिलाल दोसी, विनोद अमृतलाल पंचोरी, संजय रमलाल पिंडारमिया, नीतेश मीठालाल को स्थापना का सौभाग्य प्राप्त हुआ। सोधर्म में इंद्र किरीट गांधी, कुबेर इंद्र पंचोरी सुभाष लक्ष्मीलाल को बनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। इस अवसर पर महिला मंडल बालिका मंडल, बहु मंडल द्वारा विभिन्न प्रकार के लाडू बनाए गए थे । लाडू चढ़ाने का सौभाग्य गांधी अमित कुमार, सुरेश दलीचंद बागीदौरा, संजय रमलाल सुभाष चंद्र नानावटी पंचोरी कमल केसरीमल को चढ़ाने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। इस अवसर पर बड़े भक्ति भाव से वाद्य यंत्रो के मधुर स्वर लहरों के साथ सम्मेद शिखर विधान के 72 अर्ध चढ़ाए गए । पंचोली गीतांश विपुल कुमार द्वारा चांदी लॉन्ग भेंट किए गए। चातुर्मास कमेटी अध्यक्ष निलेश जैन ने बताया कि बाहर से पधारे हुए यात्रियों का एवं किरीट गांधी के परिवार का चातुर्मास कमेटी अध्यक्ष निलेश जैन उपाध्यक्ष राजेंद्र गांधी नरेश जैन खुशपाल जैन नीतेश जैन द्वारा पगड़ी पहना कर दुपट्टा उड़ा कर माला पहनकर स्वागत अभिनंदन किया गया। उक्त जानकारी जैन समाज प्रवक्ता सुरेश चंद्र गांधी द्वारा दी गई।

तीये की बैठक

हमारे प्रिय

सुरेश काला

(सुपुत्र स्वर्गीय श्री गैन्दी लाल जी काला) का आकस्मिक निधन दिनांक 11 अगस्त को हो गया है। तीये की बैठक 13 अगस्त सुबह 9 .00 बजे तोतूका सभा भवन भट्टारक जी की नसिया में रखी गई है।

शोकाकुल

पदम, नरेन्द्र, जिनेन्द्र,महेश काला (भाई), अभिषेक, अकिंत - सपना (पुत्र-पुत्रवधू) अन्जू-सन्दीप जैन (पुत्री-दामाद) मैनादेवी, लाली, चित्रा-प्रवीण जी, अनिल जैन (बहन-बहनोई), सुभाष, अरुण, उमेश, तरुण, आलोक , नीरज, रुपिन,रविश (भतिजे) एवं काला परिवार

ससुराल पक्ष : भागचंद, ज्ञानचंद कोठ्यारी

एक शाम शहीदों के नाम कार्यक्रम का शानदार आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

समाजसेवी ओमवती नरवत की पांचवी पुण्यतिथि पर उनकी याद में एक शाम शहीदों के नाम कार्यक्रम का शानदार आयोजन विश्वकर्मा इंडस्ट्रियल एसोसिएशन भवन में हुआ। देश भक्ति गीतों एवं शानदार कविता तथा शायरी द्वारा बेहतरीन आगाज हुआ । जय जवान सोसायटी के सचिव रिशांत सिंह नरवत ने बताया कार्यक्रम में संजय मुकुंदगढ़ वह डॉ मनीष जैन तथा ड्यून्स ऑफ राजस्थान इमरान खान ने शानदार तरीके से एक शाम शहीदों के नाम कार्यक्रम में शहीदों को याद कर सभी की आंखें नम कर दी तथा कवित्री 'मिरा' दिव्या सिसोदिया व शायर अविनाश जोशी तथा शाहबाज अहमद ने अपनी शानदार शायरी से कार्यक्रम में आए सभी लोगों का मन मोह लिया । अध्यक्ष डॉ रूपक सिंह ने बताया स्वर्गीय ओमवती नरवत एक बड़ी समाजसेविका थी उन्होंने विद्याधर नगर व जयपुर शहर में कई सामाजिक कार्य किए थे जिसमें पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करना रक्तदान शिविर, चिकित्सा शिविर गरीब परिवार के बच्चों की सहायता आदि सम्मिलित हैं। इसलिए उनकी याद में हर वर्ष 10 अगस्त को कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है। डॉ मनोज लंम्बा ने खंडेलवाल हार्ट इंस्टीट्यूट तथा मणिपाल हॉस्पिटल वह बेस्ट कैपिटल, नवकार हॉस्पिटल आदि कार्यक्रम में सहायता करने वाले संस्थानों के प्रतिनिधि को मोमेंटो तथा पटका पहनाकर का धन्यवाद ज्ञापित किया। समारोह में पार्षद प्रियंका अग्रवाल, पार्षद दिनेश कांवट, डिप्टी एसपी बलराम मीणा, सुमेर लंबा, ओमकार सिंह नरवत, डॉ सुचेता सिंह, मिस इज विनोद यादव, सुमित चौधरी, रोहित शर्मा, राजेश शर्मा, गोविंद मोहन गुप्ता डायरेक्टर पब्लिक न्यूज, राहुल शर्मा रसोई रेस्टोरेंट, राजेश चौधरी लूनिया, विजय सिंह चौधरी डिप्टी एसपी, राजेश चौधरी पीसीसी सचिव, युवा नेता छुट्टन यादव, वरिष्ठ भाजपा नेता सुरेश चौधरी आपनो राजस्थान, जगत सिंह परमार, आरबी सिंह जादौन, राव भान सिंह, उम्मेद सिंह करीरी, सीमा राठौड़,विजय सिंह शेखावत लामिया, डॉ ओमप्रकाश काजला, डॉ अनुराग सिंह शेखावत, डॉ राहुल दाधीच, आदि गण मान्य लोग उपस्थित रहे।

सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ गुंसी राज. में भगवान पार्श्वनाथ का मोक्ष कल्याणक मनाया

गुंसी, टोंक. शाबाश इंडिया। प. पू. भारत गौरव श्रमणी गणिनी आर्यिका रत्न 105 गुरु माँ विज्ञाश्री माताजी के ससंघ सान्निध्य में श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ गुंसी जिला - टोंक (राज.) में अत्यंत हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया। जयपुर से पधारे हुए यात्रियों ने भगवान श्री पार्श्वनाथ का निर्वाण लाडू चढ़ाने का सौभाग्य प्राप्त किया। निवाई , चाकसू , जयपुर आदि स्थानों से आये हुए भक्तों ने निर्वाण महोत्सव में भाग लिया। भगवान श्री शांतिनाथ के देवकृत अभिषेक के पश्चात भक्तों की भीड़ प्रतिदिन क्षेत्र पर पहुंचकर दर्शन लाभ प्राप्त कर रही है। पूज्य माताजी ने सभी को धर्मोपदेश देते हुए कहा कि - भगवान की भक्ति हमारे लिए बहुत ही पुण्यवर्धक है । उनके जितने कल्याणक है उन्हें मनाकर हम अपने धर्म में वृद्धि करते हैं । हम धर्म तो करते पर उसमें श्रद्धा नहीं रखते । यदि प्रभु पर श्रद्धा हो तो अग्नि का नीर बन जाता है । नाग का हार और जहर का अमृत बन जाता है। सीता , सोमा , मैना आदि जितनी भी सतियां हुई है सभी ने प्रभु पर श्रद्धा करके उनका ध्यान करके अपने बड़े - बड़े कष्टों को दूर किया। पार्श्वनाथ भगवान ने कमठ को क्षमा कर कष्ट सहन किये इसलिए आज वे सिद्ध अवस्था को प्राप्त है।

तुलसी दास जी को कविकल्प की भव्य काव्यांजलि

कोलकाता. शाबाश इंडिया। महानगर की प्रसिद्ध साहित्यिक संस्था बंगीय हिन्दी परिषद् द्वारा दो सत्रों में तुलसी जयंती एवं कविकल्प का भव्य आयोजन किया गया। प्रथम सत्र की अध्यक्षता गजेन्द्र नाहटा ने तथा द्वितीय सत्र की अध्यक्षता रामपुकार सिंह ने की।प्रधान अतिथि के रूप में मनोज मिश्र तथा रणजीत भारती ने अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम को महिमा मंडित किया। तुलसी के साहित्य पर अपने सारगर्भित वक्तव्य से प्रधान वक्ता प्रो. रणजीत कुमार संकल्प ने साहित्य-जगत को तुलसी विमर्श की एक नई दिशा प्रदान की।प्रो. हितेन्द्र पटेल ने अपने वक्तव्य के माध्यम से तुलसी की प्रासंगिकता के विविध पक्षों पर प्रकाश डाला।डॉ.मनोज कुमार मिश्र तथा परिषद के मंत्री डॉ. राजेंद्र नाथ त्रिपाठी ने भी तुलसी पर अपने विचार प्रस्तुत किए। रामाकान्त सिन्हा द्वारा स्वागत वक्तव्य प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती सीमा शर्मा, जोया अहमद तथा रणजीत कुमार संकल्प ने किया।

राजकीय सुरजीदेवी बालिका विद्यालय में भामाशाह द्वारा इनवर्टर बैटरी भेंट

कुचामन सीटी. शाबाश इंडिया

भामाशाह जगन्नाथ भार्गव एवं परिवार के सहयोग से एवं स्थानीय सामाजिक संस्था महावीर इंटरनेशनल युवा की प्रेरणा से विद्यालय के प्रधानाचार्य मदनलाल चौधरी व विद्यालय विकास प्रबंधन समिति के सदस्य एवं पत्रकार विमल पारीक एवं अनंत तिवारी के निवेदन पर पुराने बस स्टैंड स्थित राजकीय सुरजीदेवी बालिका विद्यालय में विद्यार्थियों एवं शिक्षकों की मूलभूत आवश्यकता बिजली की समुचित आपूर्ति सुनिश्चित करने की भावना से इनवर्टर बैटरी प्रदान की गई। प्रधानाचार्य मदनलाल चौधरी द्वारा समारोह में जगन्नाथ भार्गव, भागचंद भार्गव, संस्था अध्यक्ष आनन्द सेठी, सचिव विकास पाटनी के साथ उपस्थित संस्था सदस्यों आशीष झंझरी, अभिषेक पाटनी, नवीन सेवदा को धन्यवाद ज्ञापित किया गया। इस अवसर पर स्कूल स्टाफ से मधुसूदन शेखावत, मानक चोटिया, मोहम्मद आरिफ, कैलाश चंद, अनुराधा सोनी, अनीता, सुमन चौधरी, उपस्थित रहे।

जन साहित्य चेतना विचार मंच ने बहुभाषी कवि सम्मेलन का किया आयोजन

मोहम्मद अय्यूब की पुस्तक पैगाम-ए-इंसानियत का भी हुआ लोकार्पण

कोलकाता. शाबाश इंडिया

महानगर की नवोदित साहित्यिक संस्था 'जन साहित्य चेतना विचार मंच' के तत्वावधान में लेखक मोहम्मद अय्यूब की पुस्तक पैगाम-ए-इंसानियत पुस्तक का लोकार्पण राजस्थान सूचना केन्द्र के सभागार में सम्पन्न हुआ। लोकार्पण के दौरान मुख्य अतिथि विश्वम्भर नेवर ने कहा गजल की इस पुस्तक से पता चलता है कि आप बहुत ही सज्जन और सरल व्यक्तित्व के मालिक हैं। किसी के प्रति जलन या ईर्ष्या के भाव आपमें दिखाई नहीं देता । आप सभी के प्रति मुहब्बत का भाव

रखते हैं। विशिष्ट अतिथि सेराज खान बातिश ने कहा मुझे आशा है कि इनकी गजलें जैसे जैसे दुनिया तक पहुँचेंगी वैसे-वैसे इनके चाहने वालों की संख्या बढ़ती जायेगी। कार्यक्रम के अध्यक्ष परवेज अख्तर ने कहा कि किसी भी शायर या कवि का सही मूल्यांकन किताब आने के बाद ही हो पाता है। गजलों की दुनिया में आपको बेहतर पहचान मिले। पूरी किताब आपके हाथों मे है मुझे यकीन है इनको पढ़कर आप भी इनके दीवाने हो जायेंगे। दूसरे सत्र में कविताओं का दौर चला जिसमें राम नारायण झा, 'देहाती' कालिका प्रसाद उपाध्याय 'अशेष' रणजीत भारती, गौरी शंकर दास, ओम प्रकाश चौबे, धर्मदेव सिंह, चन्द्रिका प्रसाद पाण्डेय 'अनुरागी', डॉ मनोज मिश्र, भुपिन्दर सिंह 'बशर', वी. अरुणा, धर्मनाथ दुबे, रामपुकार सिंह, अवधेश मिश्र, 'सबरंग', चंदा प्रहलादका, वंदना पाठक, नन्दू बिहारी, संजय शुक्ल, नश्तर शहुदी, मो. नशीरुल्लाह, शकील अनवर, अय्याज खान, मो. इजहार करीम, फिरोज अख्तर, नजीर राही, अनीसा साबरी, अपणी भद्र, मो. अय्यूब, आदि कवियों ने भावपूर्ण रचनायें सुनाकर वाहवाही बटोरी। स्वागत वक्तव्य हिंगलाज दान रत्तनू व संचालन कार्यक्रम के संयोजक प्रदीप कुमार धानुक ने किया।

तीर्थंकर ग्रुप ने मुकुट सप्तमी पर की तीर्थों की यात्रा

जयपुर. शाबाश इंडिया। दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप तीर्थंकर जयपुर के सदस्य मुकुट सप्तमी के अवसर पर तीर्थ वंदना को निकले। दुगार्पुरा जैन मंदिरजी में अभिषेक व शान्तिधारा देख बस से प्रातः गुन्सी अतिशय क्षेत्र के लिए रवाना हुये। वंहा पहुंच कर मंदिरजी में दर्शन किए व 105 विज्ञाश्री माताजी के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया।यंहा भगवान की प्रतिमा पर चार दिन से देवों के द्वारा अभिषेक किया जा रहा है। सभी ने उस गन्दोधक को लिया। मुकुट सप्तमी के अवसर पर माताजी के संघ के सम्मुख विज्ञाश्री माताजी ने निर्वाण लड्डू चढवाया। फिर वंहा से सूंथडा के लिए रवाना हुये। सूंथडा में नीचे की मंजिल में अतिप्राचीन तीन स्तम्भ देखे व ऊपर की मंजिल में भगवान मुनिसुव्रतनाथ की अतिमनोहारी मूर्ती के दर्शन किए व चारों तरफ बनी सफेद संगमरमर की पदमासन चौबीसी व अन्य प्रतिमोओं के दर्शन किए व सवाईमाधोपुर के चमत्कारजी के दर्शन के लिए रवाना हो गये।चमत्कारजी में दो मुनी महाराजों का संघ चौमासा कर रहा है,उन्हीं के सानिध्य में मुकुट सप्तमी का वृहत कार्यक्रम हो रहा था उसमें लड्डू चढाया व महाराज का आशीर्वाद लिया।मंदिरजी में भगवान आदिनाथ की चमत्कार जी की भव्य मूर्ती के व अन्य प्रतिमाओं के तथा चारों तरफ बनी चोबीसी के दर्शन किये तथा इन्दरगढ के लिए भारी वर्षा के बीच रवाना हुये।इन्दरगढ में भी विधान का कार्य चल रहा था।वंहा सहस्त्रफणी पार्वनाथ की विशाल मनोज्ञ खडगासन प्रतिमाजी के दर्शन किए व चारों तरफ बनी चौबीसी के दर्शन किए। पास बनी दूसरी टेकरी के पांच प्राचीन मंदिरों के भी दर्शन किए यह क्षेत्र पहाडियों के बीच बना हुआ है,चारों तरफ हरियाली व सुन्दर बगीचा व पहाडियां बनी। हुई है। यहां ग्रुप की मीटिंग भी हुई। मीटिंग में मुकुट सप्तमी पर प्रश्नमंच डां शान्ति जैन 'मणि' ने किया व प्रश्न पूछे,सही बताने वाले सदस्यों को पुरस्कार दिये गये व बाद में धार्मिक हाऊजी व अन्य गेम खिलाये गये। इस कार्यक्रम में डां.एम.एल जैन मणि-डा शान्ति जैन 'मणि',सुरेश-आभा गंगवाल प्रेमचन्द-कान्ता गंगवाल, रमेश-सुमति अजमेरा ,एन के सेठी-निर्मला सेठी व श्रीमति कुमारी ,श्रीमति नवरतन ठोलिया,श्रीमति मैना पाटनी, लक्ष्मीजी भौंच, शशि जैन, मंजूछाबडा व विजयलक्ष्मी(बेला)ने पुण्यार्जन किया व सभी कार्यक्रमों का भरपूर आनंद लिया।

अतिशय क्षेत्र निमोला में भगवान पार्श्वनाथ का निर्वाण महोत्सव धूमधाम से मनाया

विमल जोला. शाबाश इंडिया

टोंक। आचार्य पदमनन्दी महाराज के आशीर्वाद से सकल दिगम्बर जैन समाज टोंक निवाई एवं निमोला के श्रद्धालुओं द्वारा श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र निमोला मे गाजेबाजे के साथ पार्श्वनाथ मण्डल विधान आयोजित किया गया जिसमें विधानाचार्य राजीव जैन शास्त्री टोंक के मंत्रोच्चार द्वारा सोधर्म इन्द्र हुकमचंद पारसमल के परिवार जन सहित सभी इन्द्रो ने भगवान पार्श्वनाथ के अभिषेक एवं विश्व में शांति की कामना के लिए शांतिधारा की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उधोगपति सुशील जैन नीरा जैन आरामशीन ने देश में शांति की कामना के लिए एवं देश में खुशहाली के लिए भगवान पार्श्वनाथ के समक्ष श्री फल चढ़ाकर आशीर्वाद लिया। वहीं पर मंदिर कमेटी के अध्यक्ष कपूर चंद पाटोदी, मंत्री बाबूलाल जैन राणोली एवं कोषाध्यक्ष अशोक जैन ,हुकमचंद जैन, महावीर प्रसाद जैन पराणा द्वारा गायिका कोमल जैन सोशल मीडिया प्रभारी प्रवक्ता गायक विमल जौंला एवं गायक विमल बड़ागांव का स्वागत सत्कार किया। इस दौरान जयकारों के साथ पार्श्वनाथ मण्डल विधान का शुभारंभ किया गया। विधान मे भगवान पार्श्वनाथ के समक्ष दीप प्रज्वलन मंदिर अध्यक्ष कपूर चंद जैन पाटोदी, मंत्री बाबूलाल जैन राणोली, कोषाध्यक्ष अशोक जैन ने भगवान पार्श्वनाथ के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया। मंदिर अध्यक्ष कपूर चंद पाटोदी एवं मंत्री बाबूलाल राणोली ने बताया कि विधान के सोधर्म इन्द्र समाजसेवी हुकमचंद पारसमल जैन के द्वारा मण्डप पर पांच मंगल कलशों की स्थापना की गई। इस दौरान विधान मे नवदेवता पूजा पार्श्वनाथ पूजा के साथ मण्डल विधान की विशेष पूजा अर्चना की गई। विधान मे मुख्य भजन गायक विमल जौंला गायिका कोमल जैन एवं गायक विमल बड़ागांव द्वारा भजनों की प्रस्तुतियां दी गई जिस पर श्रद्धालुओं ने जमकर भक्ति नृत्य किए। जैन धर्म प्रचारक हितेश छाबड़ा ने बताया कि विधान मे सोधर्म इन्द्र परिवार एवं सभी इंद्र इन्द्राणियो द्वारा मण्डप पर श्री फल अर्ध्य चडाक र पुण्यार्जन किया। समारोह में भगवान पार्श्वनाथ का प्रथम अभिषेक एवं सामग्री कक्ष निर्माण करवाने का सौभाग्य सुनील पाटनी काशीपुरा जयपुर को मिला। इस दौरान गणेश जैन निमोला एवं नेमीचंद पारोली को शांतिधारा करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। विधान के अन्त मे पार्श्वनाथ भगवान की आरती उतारी गई। इस अवसर पर एडवोकेट रवि जैन संजय प्रेस सुरेश जैन सुशील जैन मुकेश संधी राजेश जौंला मुकेश गिन्दोडी प्रेमदेवी जैन सीमा जैन उषा जैन संगीता संधी संजू जैन सहित कई श्रद्धालु मौजूद थे।

वृंदावन धाम पार्क न्यू भूपालपुरा में वृक्षारोपण अभियान के अंतर्गत पौधा रोपण किया

उदयपुर. शाबाश इंडिया। 12 अगस्त सोमवार को प्रातः 8:00 बजे वृक्षारोपण का कार्यक्रम वृंदावन धाम पार्क न्यू भूपालपुरा में जे एस जी आई एफ मेवाड़ रीजन सेवा सप्ताह के तहत संपन्न हुआ। कार्यक्रम मे अनिल नाहर सा. चैयरमैन मेवाड़ रीजन, मोहन बोहरा सा. संयुक्त सचिव जे एस जी आई एफ, कान्ति लाल सा.जैन(नाकोड़ा ज्योतिष मुख्य प्रबंधक) महेश पोरवाल मेवाड़ रीजन सचिव,मेवाड़ रीजन के पदाधिकारी, कमेटी चैयरमैन, जोन कॉर्डिनेटर ऊर्मिला शिशोदिया, जैन सोश्यल ग्रूप मैन के अध्यक्ष शान्ति लाल लाल मेहता सचिव कमल कोठारी , पदाधिकारी, कार्यकारी सदस्य तथा सदस्याएं उपस्थित रही। इस कार्यक्रम के आयोजक जैन सोश्यल ग्रुप मैन उदयपुर तथा प्रायोजक राजेंद्र श्रीमती मंजु खोखावत रहे। कार्यक्रम मे विशिष्ठ अतिथि पुनम चंद मोर पार्षद वार्ड नंबर 65 का तथा वृन्दावन धाम विकास समिति पदाधिकारियों तथा सदस्यो का भी सानिध्य प्राप्त हुआ।पार्क में छायादार व फलदार पौधों का पौधारोपण किया गया। वृन्दावन धाम विकास समिति के संरक्षक श्याम शिशोदिया ने सभी अतिथियों व उपस्थित सभी आगंतुकों का स्वागत किया तथा आभार व्यक्त किया।अल्पाहार की व्यवस्था रौनक रुचि शिशोदिया द्वारा की गई।

भक्तामर विधान में भक्तिमय आराधना के साथ अभिषेक, शांतिधारा

प्रतिदिन विधान में उमड़ रही है भीड़

टोंक. शाबाश इंडिया। सर्व संकट निवारक सुख समृद्धि दायक,16 दिवसीय भक्तामर काव्य आराधना विधान महोत्सव श्री दिगंबर जैन नसिया में बालाचार्य श्री निपूर्णनंदीजी महाराज के ससंघ में बड़े भक्ति भाव एवं भक्तिमय आराधना के साथ प्रतिदिन विधान संपन्न हो रहे हैं जिसमें काफी संख्या में श्रद्धालु प्रतिदिन सम्मिलित हो रहे हैं जिसका समापन 15 अगस्त को प्रातःकाल हवनकुंड में आहुतियां के साथ विश्वशांति महायज्ञ होगा ।समाज के प्रवक्ता पवन कंटान ने बताया कि दोपहर की बेला में पुण्यार्जक परिवार महेंद्र कुमार दिनेश कुमार , शिवराज अनिल कुमार श्री दिगंबर जैन महिला महासमिति, महिला मंडल मेरुकला, संभीरमल भगवानदास ओम प्रकाश अशोक कुमार नाथू लाल धर्मचंद पदमचंद दिनेश कुमार द्वारा इसके साथ सौधर्म इन्द्र टीकमचंद श्यामलालफुलेता, कुबेर इंद्र प्रहलाद चंद विमलचंद आड़रा मे रजत कलश एवं झारीयो से अभिषेक शांतिधारा की क्रियाएं संपन्न की गई । भक्तामर स्त्रोत के 48 काव्य में से प्रतिदिन तीन काव्य की पूजा अर्चना की जाती है यह पूजा सर्व संकट निवारक सुख समृद्धि दायक गंभीर बीमारियों के निवारण हेतु पूजा अर्चना की जा रही है वषायोग समिति के कोषाध्यक्ष लालचंद फुलेता एवं ज्ञानचंद टोरडी ने बताया कि परिवारों द्वारा अलग अलग विधान में बड़े भक्ति भाव से श्री फल के अर्घ्य समर्पित किए गए इस मौके पर बालाचार्य निपूर्ण नन्दी महाराज एवं पंडित मनोज शास्त्री ने भक्तामर स्त्रोत के काव्य के बारे में विस्तार से समझाया यह भक्तामर स्तोत्र प्रतिदिन करने से अपना जीवन धन्य हो जाता है और जो आपने मन वचन काय से जो भी पाप किए हैं इसका स्मरण करने से पुन्य की विशुद्धि होती है वषायोग समिति के अध्यक्ष धर्मचंद दाखिया एवं मंत्री धर्मेंद्र पासरोटियां ने बताया कि 15 अगस्त को घर घर तिरंगा कार्यक्रम के तहत जैन नसिया में भी 8.30 बजे तिरंगा समाज के अध्यक्ष के द्वारा फहराया जाएगा।

जैन धर्म के 23 वें तीर्थकर भगवान पार्श्वनाथ का 2876वां निर्वाणोत्सव मनाया, जयकारों के साथ चढ़ाया निर्वाण लाडू

अमन जैन कोटखावदा. शाबाश इंडिया

कोटखावदा। कस्बा स्थित श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर अतिशय क्षेत्र कोटखावदा में जैन धर्म के 23 वें तीर्थकर भगवान पार्श्वनाथ का 2876 वां निर्वाणोत्सव मनाया गया। प्रचार प्रसार मंत्री अमन जैन कोटखावदा ने बताया कि मंदिर जी में पूजा-अर्चना के विषेश आयोजन हुए। मोक्ष का प्रतीक निर्वाण लाडू चढ़ाया गया। प्रातः भगवान पार्श्वनाथ का पंचामृत अभिषेक एवं शान्ति धारा के बाद पूजा अर्चना की गई। पूजा के दौरान मोक्ष कल्याणक श्लोक का उच्चारण करते हुए अर्घ चढ़ाया गया। राजस्थान जैन युवा महासभा के प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा के अनुसार सायंकाल महाआरती के बाद भक्ति संध्या का आयोजन हुआ जिसमें जैन धर्मावलंबियों ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया इस अवसर पर समिति अध्यक्ष महावीर गंगवाल, महामंत्री दीपक वैद, प्रचार प्रसार मंत्री अमन जैन कोटखावदा, पंकज जैन, रितेश वैद, अशोक पाटोदी, चेतन जैन, पारस जैन सहित बड़ी संख्या में समाज बंधु उपस्थित रहे।

रक्षाबंधन तक रहेगी शाश्वत तीर्थराज सम्मेद शिखर जी की झांकी

मीरामार्ग के आदिनाथ भवन में सजी सम्मेद शिखर जी की झांकी देखने उमड़े श्रद्धालु

मुनि प्रणम्य सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में पांच दिवसीय अर्हं स्वात्म साधना शिविर आज (मंगलवार) से

जयपुर. शाबाश इंडिया

मीरामार्ग के आदिनाथ भवन पर मुनि प्रणम्य सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में शाश्वत सिद्ध क्षेत्र श्री सम्मेद शिखर जी की सजीव रचना की गई है। तीर्थराज की झांकी को देखने के लिए सोमवार को बड़ी संख्या में श्रद्धालुगण उमड़े। अध्यक्ष सुशील पहाड़िया एवं मंत्री राजेन्द्र सेठी ने बताया कि तीर्थराज सम्मेद शिखर की रचना के पुण्यार्जक कुशल - मधु ठोलिया है । यह झांकी रक्षा बंधन सोमवार 19 अगस्त तक रहेगी। अर्हम योग प्रणेता मुनि प्रणम्य सागर महाराज के मुखारबिन्द से मीरा मार्ग के आदिनाथ भवन पर कवि भूधरदास द्वारा विरचित पार्श्वनाथ पुराण का वाचन किया गया जिसमें जैन धर्म के 23 वें तीर्थंकर भगवान पार्श्वनाथ के वज्रनाभि भव के बारे में बताया।

इससे पूर्व शुभम भैया एवं संगीतकार नरेन्द्र जैन के निर्देशन में आचार्य विद्यासागर महामुनिराज की संगीतमय पूजा की गई। आचार्य समय सागर महाराज एवं मुनि प्रणम्य सागर महाराज का अर्घ्य चढ़ाया गया। समिति के कार्यकारिणी सदस्य एडवोकेट राजेश काला एवं अशोक गोधा ने बताया कि मीरामार्ग के श्री आदिनाथ भवन पर मुनि प्रणम्य सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में मंगलवार, 13 अगस्त को प्रातः 8.15 बजे श्री पार्श्वनाथ कथा का संगीतमय आयोजन आयोजन किया जाएगा। इस मौके पर आचार्य विद्यासागर महामुनिराज की पूजा एवं मुनि श्री प्रणम्य सागर महाराज के मंगल प्रवचन होगें। मुनि श्री की आहारचर्या प्रातः 9:40 बजे होगी। दोपहर में 3.00 बजे शास्त्र चर्चा होगी। गुरुभक्ति एवं आरती सांय 6:30 बजे एवं वैयावृत्ति रात्रि 8:30 बजे होगी। कार्यकारिणी सदस्य अरुण जैन एवं राजेश काला ने बताया कि मुनि प्रणम्य सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में मंगलवार 13 नवम्बर से पांच दिवसीय अर्हं स्वात्म साधना शिविर का आयोजन किया जाएगा। जिसमें क्षणिक और सदैव व्यस्त जीवन एवं क्षण भंगुरता में कुछ क्षण स्वयं के लिए निकालने के उपाय बताएं जाएगें। शिविर में जयपुर सहित पूरे देश से बड़ी संख्या में जैन बन्धु शामिल होंगे।

पल्लीवाल मंदिर में भगवान चंद्रप्रभु विधान का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री 1008 चन्द्रप्रभु दिगम्बर जैन पल्लीवाल मंदिर (शक्ति नगर) जयपुर में सावन मास की अष्टमी को भगवान चंद्रप्रभु विधान बडे.ही उत्साहपूर्वक और पूर्ण भक्ति से किया गया। सुनीता अजमेरा ने बताया कि 12 अगस्त को झमाझम बारिश मे भी सभी महिलाओं ने बड़ी ही भक्ति भाव से विधान में भाग लिया। दीप प्रज्वलन और विधान कराने का सौभाग्य श्रीमती बीनाजी बिलाला और उनकी पुत्र वधु श्रीमती अंकिता बिलाला को प्राप्त हुआ। श्रीमती मीनू गंगवाल द्वारा बड़ी ही भक्ति भाव से विधान को सम्पन्न कराया गया।

श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर नटाटा आमेर में जयकारों के बीच निर्वाण लाडू चढाया गया

श्री दिगम्बर जैन मंदिर जीऊबाईजी मोती सिंह भोमियो का रास्ता जोहरी बाजार

भगवान पार्श्वनाथ के जयकारों से गुंजायमान हुए जैन मंदिर

जैन धर्म के 23 वें तीर्थंकर भगवान पार्श्वनाथ का 2876 वां निर्वाणोत्सव मनाया

जयपुर. शाबाश इंडिया

जैन धर्म के 23 वें तीर्थंकर भगवान पार्श्वनाथ का 2876 वां निवाणोत्सव रविवार, 11 अगस्त को जैन धर्मावलंबियों द्वारा भक्ति भाव से मनाया गया । इस मौके पर शहर के दिगम्बर जैन मंदिरों में विश्व में सुख शांति समृद्धि एवं खुशहाली की कामना करते हुए पूजा अर्चना के विशेष आयोजन किये गये । पूजा के दौरान मंत्रोच्चार के साथ निर्वाण लाडू चढाया गया । राजस्थान जैन युवा महासभा के प्रदेश महामंत्री विनोद जैन 'कोटखावदा' के मुताबिक प्रातः मंदिरों में भगवान पार्श्वनाथ के जयकारों एवं मंत्रोच्चार के साथ जलाभिषेक एवं पंचामृत अभिषेक किये गये। तत्पश्चात अष्ट द्रव्य से भगवान पार्श्वनाथ की " पार्श्वनाथ देव सेव आपकी करु सदा, दीजिए निवास मोक्ष भूलिए नहीं कदा..... " के उच्चारण करते हुए सामूहिक पूजा अर्चना की गई। निर्वाण काण्ड भाषा के सामूहिक उच्चारण पश्चात हाथों में मोक्ष का प्रतीक निर्वाण लाडू, अर्घ्य एवं दीपक लेकर जयकारों के बीच " सित सावन साते आई, शिव नारि वरी जिनराई। सम्मेदाचल अरि माना, हम पूजे मोक्ष कल्याना।। " का सामूहिक उच्चारण करते हुए भगवान के समक्ष निर्वाण लाडू चढाया गया। पंच परमेष्ठी एवं भगवान पार्श्वनाथ की आरती के बाद समापन हुआ।

जैन के मुताबिक नटाटा आमेर स्थित श्री 1008 पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन में अध्यक्ष महेन्द्र साह आबूजीवाले, महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा एवं संयुक्त मंत्री अजय साह के नेतृत्व में मूलनायक अतिशयकारी पार्श्वनाथ भगवान के अभिषेक, शांतिधारा के बाद पूजा अर्चना की जाकर जयकारों के बीच निर्वाण लाडू चढाया गया । इस मौके पर महेन्द्र साह, विनोद जैन कोटखावदा, संजय साह, सावन सेठी, अजय साह,विकास अजमेरा, सुनील गोधा,माया साह,सुशीला साह, दीपिका जैन कोटखावदा,

सुधा गोधा,मिनिका बिलाला, अमिता साह, अम्बिका सेठी,रुपल अजमेरा, दिव्या बाकलीवाल, डॉ इशिका बिलाला, ध्रुव साह, मान्या सेठी, तनिशा बिलाला, अर्नव बिलाला,पार्थ सेठी, आगम, आश्रय साह, देवांश बाकलीवाल सहित अन्य श्रद्धालुगण शामिल हुए।

मीरामार्ग पर मुनि प्रणम्य सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में सजी शाश्वत तीर्थराज सम्मेद शिखर जी की सजीव रचना

श्री जैन के मुताबिक मीरामार्ग के आदिनाथ भवन पर मुनि प्रणम्य सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में रविवार 11 अगस्त को जैन धर्म के 23 वें तीर्थंकर भगवान पार्श्वनाथ का मोक्ष कल्याणक महोत्सव मनाया गया ।इस मौके पर शाश्वत सिद्ध क्षेत्र श्री सम्मेद शिखर जी की सजीव रचना की गई । सम्मेद शिखर रचना पुण्यार्जक कुशल मधु ठोलिया थे । प्रातः 6.30 बजे से भगवान पार्श्वनाथ की पूजा एव श्री कल्याण मंदिर पूजा विधान साजो के साथ किया गया । भगवान पार्श्वनाथ के जयकारों के बीच प्रातः 8.00 बजे निर्वाण लाडू चढाया गया । तत्पश्चात मुनि प्रणम्य सागर महाराज के मंगल प्रवचन हुए जिसमें उन्होंने भगवान पार्श्वनाथ के जीवन चरित्र पर प्रकाश डाला। श्री जैन के मुताबिक मानसरोवर के वरुण पथ मंदिर में आचार्य शशांक सागर महाराज ससंघ, प्रतापनगर में उपाध्याय उर्जयन्त सागर महाराज, अग्रवाल फार्म स्थित श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर थड़ी मार्केट में उपाध्याय वृषभानन्द महाराज, दुगार्पुरा के श्री चन्द्रप्रभू दिगम्बर जैन मंदिर में मुनि पावन सागर महाराज,कीर्ति नगर के श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में मुनि समत्व सागर, मुनि शील सागर महाराज, बरकतनगर के णमोकार भवन में मुनि अर्चित सागर महाराज, दहमीकला के श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में आचार्य नवीन नन्दी महाराज, बीलवा के नांगल्या स्थित विमल परिसर में गणिनी आर्यिका नंग मति माताजी के सानिध्य में विशेष आयोजन किया गया । पदमपुरा के श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र पर महिमा सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में भगवान पार्श्वनाथ का मोक्ष कल्याणक महोत्सव मनाया गया । प्रातः भगवान पार्श्वनाथ की पूजा के दौरान निर्वाण काण्ड भाषा का उच्चारण कर अध्यक्ष सुधीर जैन एवं मंत्री हेमन्त सोगानी के नेतृत्व में निर्वाण लाडू चढाया गया ।

मुकुट सप्तमी पर करती है कुवांरी कन्याऐं उपवास

श्री जैन ने बताया कि जैन धर्म के अनुसार इस पर्व को मुकुट सप्तमी या मोक्ष सप्तमी भी कहते हैं। इस दिन कुंवारी कन्याएं मोक्ष सप्तमी का उपवास किया । दिन में केवल एक बार पानी का सेवन किया। यह उपवास सात साल तक निरन्तर किया जाता है। यह विशेष फलदायी होता है। दिगम्बर जैन संतो के चल रहे चातुर्मास स्थलों पर शाश्वत सिद्ध क्षेत्र श्री सम्मेद शिखर जी की झांकी सजाई जाकर भगवान के मोक्ष स्थल स्वर्ण भद्र कूट पर निर्वाण लाडू चढाया गया ।इस मौके पर भगवान पार्श्वनाथ की स्तुति " तुमसे लागी लगन, लेलो अपनी शरण, पारस प्यारा। मेटो मेटो जी संकट हमारा.... " गाकर भगवान का गुणगान किया गया। श्री जैन के मुताबिक श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र चूलगिरी मंदिर में संरक्षक प्रवीण चन्द्र छाबड़ा के नेतृत्व में भगवान पार्श्वनाथ का निर्वाणोत्सव मनाया जाकर मूलनायक भगवान पार्श्वनाथ के समक्ष निर्वाण लाडू चढ़ाया गया। श्री जैन के मुताबिक सूर्य नगर के श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर ,मोती सिंह भोमियो का रास्ता स्थित श्री दिगम्बर जैन मंदिर जीऊबाईजी, मधुवन के श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर,जग्गा की बावड़ी के श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र में मंत्री सुनील बख्शी के नेतृत्व में निर्वाणोत्सव मनाया जाकर निर्वाण लाडू चढाया गया। साथ ही शहर के कई दिगम्बर जैन मंदिरों में भगवान पार्श्वनाथ का मोक्ष कल्याणक दिवस मनाया गया।

भव्यातिभव्य नाकोड़ा पार्श्व भैरव महापूजन का आयोजन हुआ

पंचदिवसीय महोत्सव का हो रहा है आयोजन, भक्तों का उत्साह ऐसा कि पंडाल हो गया छोटा... भैरव बाबा का आशीर्वाद भक्तो पर बरसा

अमित गोधा. शाबाश इंडिया

ब्यावर। श्री जैन श्वेताम्बर खरतरगच्छ संघ संस्थान के तत्वधान में श्री जैन श्वेताम्बर खरतरगच्छ नवयुवक मंडल ने 48 वे स्थापना दिवस के अवसर पर स्थापना दिवस महोत्सव पखवाड़े का आयोजन हो रहा है। महोत्सव के अंतिम दिवस दिनांक 11 अगस्त को विनोद नगर महावीर भवन में श्री नाकोड़ा पार्श्व भैरव महापूजन का आयोजन किया गया। मंडल अध्यक्ष अरिहंत कांकरिया एवं कोषाध्यक्ष शेलेन्द्र जिन्दानी ने बताया कि कार्यक्रम महापूजन के अंतर्गत पार्श्वनाथ भगवान एवं भैरव देव का अभिषेक, पक्षाल, दीप, धुप, नेवेद्य, फल इत्यादि अष्टप्रकारी वस्तुओ से पूजा की गयी। कार्यक्रम अहमदाबाद से पधारे हुवे धवल गुरुजी (नाकोड़ा वाले)द्वारा करवाया गया। कार्यक्रम संयोजक अक्षय रांका एवं सज्जन तातेड बताया कि इस अवसर पर ब्यावर के मुमुक्ष नीरज पोखरणा एवं वैरागी बहन बसंती पोखरणा का बहुमान किया गया पोखरना परिवार के साथ श्री स्थानकवासी जैन वीर संघ के अध्यक्ष महेंद्र सांखला एवं प्रकाश चंद मेहता का भी आगमन हुआ । सयोजक संदीप कोठारी और रितेश भंसाली ने बताया की लूणीया परिवार द्वारा भैरव जी की प्रतिमा की ढ़ोल नगाडो के साथ ससंघ दरबार मे बिराजमान की गईं। मंडल महामंत्री मितेश चोपडा सयोजक जितेंद्र धारीवाल ने बताया कि इस अवसर पर एडवोकेट रितिक धारीवाल का बहुमान किया गया और दिलीप बोरुंदिया , महेन्द्र छाजेड भैरव बाबा के भजन गाकर महापूजन में माहोल धर्ममय कर गया। इस अवसर पर मुख्य लाभार्थी परिवार प्रेम चंद सुरेशचंद कांकरिया, द्वारा विविध द्रव्यो से भैरव देव की पूजा की गयी। सयोजक प्रियांशु कांकरिया और वैभव मेडतवाल ने बताया पूजन के पश्चात आरती के लाभ श्री पार्श्व नाकोडा मित्र मंडल, कांतिलाल पंकज कुमार डोसी परिवार एवं मदनलाल मोहित कुमार कुमठ परिवार ने लिया कार्यक्रम के अंत में भैरव प्रसादी का आयोजन किया गया जिसका लाभ जितेंद्र कुणाल रितिक धारीवाल, पारसमल सतीशकुमार मेडतवाल परिवार माणकचंद शंकरलाल चोपडा एवं अनिल कुमार महेंद्र छाजेड परिवार ब्यावर वालो ने संयुक्त रूप से लिया। सयोजक प्रियांशु कांकरिया और श्रेयांस मुथा ने सभी लाभार्थी परिवारों की अनुमोदना की इस अवसर पर खरतरगच्छ संघ से गुलशन बेंगानी, दीपचंद कोठारी, पारसमल डाकलिया, कांतिलाल डोसी, वीरेंद्र लूणिया, दिनेश बुरड, मदनलाल कोठारी, विजेश कांकरिया, सज्जन डोसी, अनिल छाजेड, शांतिलाल पगारिया, सम्पतराज जिन्दांनी, गौतम चोपडा, चेतन जी हालाखंडी, बिरदीचंद चोपडा, जयचंद यति, प्रकाश भंडावत सकल जैन संघ के पदाधिकारियों में दुलीचंद मकाना, कमल तातेड,दिलीप बिनाकिया, परम भैरव भक्त मोहित कुमठ, धर्मी चंद रांका, दिलीप दक, लाभचंद धारीवाल दिलीप भंडारी दिलीप बाबेल आदि उपस्थित थे। इस अवसर पर खरतरगच्छ नवयुवक मंडल परिवार से गौतम यति पूनम खटोड , राकेश भंडारी, प्रतीक खटोड़ उमेश छाजेड, मनीष डोसी, दिनेश बुरड , हर्ष चोपड़ा मनीष डाकलिया, अंकित सिंघवी, मोहित बेगानी अनंत चोपड़ा अमन भंडारी हेमेंद्र छाजेड़ महावीर भंसाली वर्धमान कांकरिया पुनीत मेहता एवं महिला मंडल से निशा चोपडा, मंजू डोसी, मधु काँकरिया, कमला भंसाली, बबिता रांका, संजू डोसी, रेणु चोपडा, सरिता जैन, अर्चना कोठारी, राजलक्ष्मी धारिवाल, सुषमा मैडतवाल, सुनीता कांकरिया तेज कँवर यति रवीना चोपडा, संजना कांकरिया आदि कुशल महिला मंडल की सदस्यायो ने अपनी सेवाए दी। मंडल संरक्षक राकेश डोसी एवं दीपक कांकरिया ने पधारे हुवे सभी अतिथियों एवं मंडल सदस्यों का आभार व्यक्त किया।

राजनीति में धर्म नीति होनी चाहिएः आचार्य श्री पुलक सागर जी

जनजाति मन्त्री खराडी ने लिया आर्शिवाद

ऋषभदेव. शाबाश इंडिया

भट्टारक यशकीर्ति दिगंबर जैन मंदिर में चातुर्मास हेतु विराजित भारत गौरव राष्ट्र संत परम पूज्य आचार्य श्री पुलक सागर जी महाराज के ज्ञान गंगा महोत्सव के तहत 9वे दिन सोमवार को अमृत प्रवचन में कहा राजनीति में धर्म नीति होनी चाहिए धर्म नीति में राज नीति नही होनी चाहिए जब जब सत्ता सत्य के चरणों में झुकती है तब वो सत्ता सत्य का आशीर्वाद लेकर राम राज्य की स्थापना कियाकरते है जिस सत्ता ने सत्य का दामन छोड़ा है तो सत्ता का पत्ता कटने में देरी नहीं लगती है आगे उन्होंने कहा कि यह भगवान महावीर का देश है त्याग का देश है भोगियो का देश नही है दुनिया मे किसी देश मे धर्म की परिभाषा नही होती है केवल भारत देश मे धर्म की परिभाषा मे पांच हजार साल पहले की महाभारत को बात नही करूंगा मे आज के महाभारत की बात करता हु घर घर मे महाभारत चल रही है इस लिए हर घर मे रामायण होनी चाहिए रामायण की पुस्तक हो या न हो लेकिन विचारो की रामायण होनी चाहिए स्वार्थ त्याग के बिना देश का कल्याण नही हो सकता है परिवार का कल्याण करना है तो एक दुसरे के लिए स्वार्थ त्यागना पड़ेगा घर टुट रहे है घर नारी के कारण टुट रहे है नारी चाहे तो घर जोड़ सकती है और अगर चाहे तो तबाह कर सकती है आने वाले समय मे रिश्ते खत्म हो जायेगे देश मे अराजकता फैल रही है घरो को जोडने का प्रयास करना चाहिए भावनाओ का त्याग करके घर एक होता है भाई को कभी नाराज नही करना चाहिए इस दौरा रामायण के रामवनवास का प्रसंग सुनाते हुए भाईचारा रखने की श्रावको से अपील की आज अदालत मे जितने केस है उसके सबसे ज्यादा भाई भाई के झगडे के है दुनिया की दुश्मनी और भाई की दुश्मनी मे बहुत अन्तर है इससे पूर्व कलश स्थापना पाद प्रक्षालन शास्त्र भेट देवी लाल पांचाल परिवार ने किया इससे पूर्व अतिथियों ने दीप प्रज्वलन कर ज्ञान गंगा महोत्सव का आगाज किया एवं सेठ राजमल कोठारी अध्यक्ष भूपेंद्र कुमार जैन महामंत्री प्रदीप कुमार जैन राष्ट्रीय कवि बलवंत बल्लू एवम अन्य समाज जनों ने अतिथियों का स्वागत किया मेवाड़ वागड़ दिगंबर जैन दशा नरसिंहपुरा महासभा के अध्यक्ष लक्ष्मी लाल जी बोरा महामंत्री कचरू लाल बोरा सहमंत्री श्याम सुंदर कोठारी उदयपुर समाज के अध्यक्ष सुमति लाल वालावत खेरवाड़ा के पूर्व अध्यक्ष सतीश चंद्र वाणावत लोहारिया समाज के प्रकाश चंद्र विमल नायक डूंगरपुर के नवीन प्रकाश महासभा युवा परिषद के मंत्री रविन्द्र बोरा महिला पार्षद की सुषमा बोरा शकुंतला कोठारी सहित अन्य समाज जन उपस्थित थे।

भारत ऋषी मुनियो का देश हैः खराडी

जनजाती विकास मन्त्री बाबूलाल खराडी ने कहा कि भारत की भूमी ऋषी मुनियो की धरती है सनातन है जो विश्व कल्याण की बात करता है जहां वसुदैव कुटुम्ब कम की परम्परा है ऋषी और मुनि भारत मे जगाने का काम करते है आज पूरे विश्व की हमारे भारत देश पर नजर है और सनातन परम्परा को खत्म करने मे लगे हुए है लेकिन हमारे देश के मुनि व ऋषियो के पुण्य का प्रताप है जिससे कुछ बिगाड नही सकते है हमारे लिए धर्म पहले है राजनिति बाद मे है धर्मान्तरण आज बज समस्या है जो हमारे लिए चुनौती है लेकिन इसमे लगे हुए लोगो को चुनौती करता हु की जो यह सोच रखते है वो कभी पूरी नही होगी लेकिन इच्छा शक्ति रख कर आगे बढना होगा।

मोक्ष कल्याणक मनाया

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

नसीराबाद। दिगंबर जैन धर्मावलंबियों की ओर से रविवार को जैन धर्म के 23वें तीर्थंकर भगवान पार्श्वनाथ का मोक्ष कल्याणक श्रद्धापूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर जैन धर्मावलंबियों द्वारा प्रातः मंदिरों में कलशाभिषेक, शांतिधारा व अष्ट द्रव्यों से विशेष पूजा-अर्चना की गई। दिगंबर जैन पार्श्वनाथ मंदिर (गली वाले) में तथा पार्श्वनाथ जैन चैत्यालय में मोक्ष कल्याणक के अवसर पर निर्वाण मोदक भी चढ़ाया गया। भगवान पार्श्वनाथ का मोक्ष कल्याणक मोक्ष सप्तमी के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर जैन समाज की कन्याओं ने निराहार रहकर उपवास किया। कन्याओं के लिए दोपहर में आदिनाथ दिगंबर जैन बड़ा मंदिर में विभिन्न धार्मिक प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गई। इससे पूर्व कन्याओं ने अष्ट द्रव्यों से विशेष पूजा-अर्चना की।

तीये की बैठक

हमारी पूजनीय **श्रीमती शीला व्यास** पत्नी स्व. वैद्य श्री चंद्रधर भट्ट (भरतपुर वालों) का स्वर्गवास 11.8.2024 को हो गया है। तीये की बैठक 13.8.2024 को सायं 4.30 से 5.30 तक अक्षर धाम मंदिर परिसर चित्रकूट योजना, जयपुर पर होगी। शोकाकुल: प्रवीण-रचना (पुत्र-पुत्रवधू), पवित्रा-विनय (पुत्री-दामाद), पल्लवी, अनुष्का (पौत्री), पूर्वा-जयमीन (पौत्री-दामाद), रौनक-अंबिका (दोहिता-दोहितावधू), ईवा-स्वप्निल, कनक-सुयश (दोहिती-दामाद), साव्य, सुहानी (प्रपौत्र, प्रपौत्री), विश्वधर-वीणा, अंशु (भतीजा-भतीजावधू), मोहित-अपूर्वा, रोहित (पौत्र-पौत्रवधू) एवं समस्त व्यास परिवार। पीहर पक्ष: ब्रजेश-तारा (भाई-भाभी)।

सुभाष जैन बने दिगम्बर जैन मन्दिर काठमांडू के अध्यक्ष

काठमांडू. शाबाश इंडिया

नेपाल काठमांडू के सक्रिय सामाजिक साथी और सामूहिक जिनेन्द्र आराधना संस्था नेपाल शाखा के अध्यक्ष सुभाष जैन सेठी को सर्व सम्मति से श्री 1008 आदिनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर काठमांडू का अध्यक्ष चुने गया है। सुभाष जैन सेठी, राजस्थान में सीकर जिले के खूड़ ग्राम के निवासी है। सेठी धार्मिक, सामाजिक, सांस्कृतिक और मानव सेवार्थ गतिविधियों में बहुत सक्रियता से कार्य करने की प्रवृत्ति रखते है। सुभाष जैन सेठी काठमांडू, नेपाल व भारत में विभिन्न संघ संस्थाओं से जुड़े हुए हैं एव सकल मारवाड़ी समाज में सक्रिय समाजसेवी है। सुभाष जैन को दिगंबर जैन मन्दिर जी काठमांडू के निर्विरोध अध्यक्ष बनाए जाने पर नेपाल व भारत के विभिन्न सामाजिक संस्थाओं से जुड़े व्यक्तियों ने बधाई एवं शुभकामनाएं दी है।

भगवान पार्श्वनाथ का मोक्ष कल्याणक महोत्सव श्रद्धा भक्ति के साथ मनाया गया

35 गुरु परिवार 35 दिवसीय 35 मंडलों पर णमोकर विधान, मिल रहा है: मुनि श्री विनय सागर जी ससंघ का सानिध्य

भिंड. शाबाश इंडिया

जिन मंदिर जीर्णोद्धारक संत, प्रशांत मूर्ति श्रमण मुनि श्री 108 विनय सागर जी गुरुदेव के सानिध्य में आयोजित 35 गुरु परिवार 35 दिवसीय 35 मंडलों पर णमोकर विधान आयोजित है प्रातःकाल नित्य नियम पूजा के पश्चात श्रीजी का जिनाभिषेक एवं शांति धारा संपन्न हुई श्री 1008 महावीर कीर्तिस्तंभ दिगंबर जैन मंदिर में मुनिश्री विनय सागर गुरुदेव के सानिध्य में भगवान पार्श्वनाथ का निर्वाण महोत्सव मनाया गया। भगवान पार्श्वनाथ का मोक्ष कल्याणक महोत्सव श्रद्धा भक्ति के साथ मनाया गया। श्री 1008 महावीर कीर्तिस्तंभ मंदिर जहां पर 23 परिवार द्वारा निर्वाण लडडू चढ़ाकर पूजा अर्चना की। संगीतकार विशाल जैन गोहद के मधुर भजनों की ध्वनि पर सभी महिला पुरुष भक्त नृत्य करते हुए जयकारे लगा रहे थे। भगवान पार्श्वनाथ का निर्वाण लाडू चढ़ाया गया। मुख्य लाडू का सौभाग्य दीपक जैन मुंबई, सचिन जैन गुड़गांव को प्राप्त हुआ। **-सोनल जैन की रिपोर्ट**

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप सार्थक द्वारा हरियाली उत्सव झूला एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम सम्पन्न हुआ

भिंड. शाबाश इंडिया। भगवान पारसनाथ का मोक्ष कल्याणक हरियाली उत्सव झूला एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम दिगंबर जैन सोशल ग्रुप सार्थक की सभी बहनों ने मुनि श्री विनय सागरे महाराज ससंघ सानिध्य में भगवान पारसनाथ का निर्माण लाडू चढ़ाया। दोपहर 2 से 6 बजे तक बजरिया के हलवाई खाना जाति के जैन मंदिर में बहनों के द्वारा भगवान नेमिनाथ का जन्मोत्सव तपकल्याण उत्सव मनाया । सर्वप्रथम वृक्षों पर झूला झूलने के बाद बहनों ने गेम प्रतियोगिता आयोजित की जिसमे बच्चों को भी चेयर रेस खिलाया फर्स्ट कल्पना जैन सेकंड रेनू जैन थर्ड गर्वित जैन, अध्यक्ष स्नेहलता जैन ने बताया कि दिगंबर जैन सोशल गुरु सार्थक भिंड के द्वारा भगवान नेमिनाथ का जन्म तपकल्याण व 1008 भगवान पारसनाथ का मोक्ष कल्याण एवं झूला टिफि न पार्टी, सभी महिलाओं एवं बच्चों ने बड़े हर्षोल्लास के साथ आनंद लिया। कार्यक्रम में साधना जैन रूबी जैन रिंकी जैन एवं मंजू जैन सहित अन्य महिलाये बच्चे उपस्थित रहे। **-सोनल जैन की रिपोर्ट**

पार्श्वनाथ मोक्ष कल्याणक मनाया

आचार्य नवीन नंदी गुरुदेव के सानिध्य में प्राचीन ऋषभ देव दिगंबर जैन मंदिर में 23वें तीर्थंकर भगवान पार्श्वनाथ का 2801वा मोक्षकल्याणक कल्याणक दिवस मनाया गया

जयपुर. शाबाश इंडिया। मंत्री प्रमोद बाकलीवाल ने बताया कि कार्यक्रम की शुरूआत प्रातः 6:30 अभिषेक एवम महाशांतिधारा के साथ हुई। उनके बाद पूजन का आयोजन किया गया ओर 23 वें तीर्थंकर भगवान पार्श्वनाथ का मोक्ष कल्याणक मनाया गया। पूजन समाप्ति पर निर्वाण लड्डू चढ़ाया गया। आज के महा शांति धारा का सौभाग्य पुण्यार्जक भव्या, ज्ञानचंद्र,रतनदेवी गंगबाल डोढीकोठी वाले गुवाहाटी गंगबाल परिवार को प्राप्त हुआ। कार्यक्रम में बगरू के महावीर जी पाटनी ,मनोज, सुशीला, अनीला पाटनी निर्मल गंगबाल डोढीकोठी वाले गुवाहाटी, सुनील कल्याणी, वैभव नवले,यश कंदी शामिल थे।

भगवान पार्श्वनाथ मोक्ष सप्तमी कार्यक्रम का हुआ आयोजन

मनोज सोनी. शाबाश इंडिया

निम्बाहेड़ा। रविवार को दिगम्बर जैन धर्मावलम्बीयो ने भगवान पार्श्वनाथ मोक्ष सप्तमी पर विविध धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन कर सामूहिक निर्वाण लाडू चढ़ाया। समाज के प्रवक्ता मनोज सोनी के अनुसार रविवार को आदर्श कॉलोनी स्थित श्री शान्तिनाथ जिनालय मे भगवन पार्श्वनाथ मोक्ष सप्तमी पर समाज अध्यक्ष सुशील काला महामंत्री मनोज पटवारी, जीवनधर पाटनी कोषाध्यक्ष कमलेश जैन कि अगुवाई मे सकल दिगम्बर जैन समाज कि उपस्थित मे सामूहिक पूजा अनुष्ठान अर्चना कर जिन प्रतिमा के समक्ष अर्घ्य विसर्जित कर निर्वाण लाडू चढ़ाया गया । इस अवसर पर श्रद्धांलूओ ने भगवन प्रतिमा के श्री जिनभिषेक और शांतिधारा भक्तिपूर्वक सम्पन्न किये । धार्मिक कार्यक्रम मे समाज के महिला मण्डल संरक्षिका इंदुबाला सोनी, अध्यक्ष शशि जैन, ममता काला, सीमा जैन, रिंकू सोनी, सोनू पटवारी, प्रेमचंद पाटोदी अशोक गदिया, रौनक पाटोदी, आभा जैन, सुलोचना जैन, महेंद्र पाटनी, शांता देवी पटवारी , प्रवीना अग्रवाल, रेखा पाटनी, सिद्धि जैन, लता पटवारी, अनीता पटवारी, विनीता पारलिया,जुली जैन सहित बाड़ी संख्या मे श्रद्धांलूजन उपस्थित रहे। मोक्ष सप्तमी पर समाज मे बड़ी मात्रा मे उपवास व्रत कर तप आराधना भी हुई ।

श्री चिंतामणि पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर पारस विहार में भगवान पार्श्वनाथ के निर्वाण कल्याणक महोत्सव का हर्षोल्लास से हुआ आयोजन

कल्याण मंदिर विधान का साजो से हुआ भक्ति भाव से आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री चिंतामणि पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर पारस विहार में भगवान पार्श्वनाथ के निर्वाण कल्याणक महोत्सव मोक्ष सप्तमी का हर्षोल्लास से आयोजन हुआ। मंदिर कमेटी के अध्यक्ष पवन गोदिका ने बताया कि प्रातः अभिषेक, शांतिधारा के पश्चात भव्य कल्याण मंदिर विधान मंडल पूजन बरसात की फुहारों के मध्य साजो के साथ प्रसिद्ध गायक अशोक गंगवाल एवम श्रीमती समता गोदिका द्वारा पंडित वीरेंद्र जैन के सानिध्य में करवाया गया। प्रचार प्रभारी राकेश गोदिका ने बताया कि प्रथम अभिषेक , शांतिधारा, निर्वाण लाडू समर्पण का सौभाग्य सौधर्म इंद्र दिलीप - रजनी गोदिका, रवि - अंजू गोदिका परिवार को प्राप्त हुआ जबकि पूजा सामग्री में सहयोग का पुण्यार्जन सुभाष गोदिका, अनिल - आशा गोदिका परिवार को प्राप्त हुआ। समन्वयक राजकुमार - मधु गोदिका ने बताया कि विधान के अंतर्गत सभी ने नृत्य के द्वारा भक्ति की तथा विधान पश्चात निर्वाण लाडू समर्पण सोधर्म इंद्र दिलीप रवि गोदिका परिवार के साथ उपस्थित सभी श्रावको द्वारा शुभ शांति की कामना के साथ किया। सामूहिक आरती के पश्चात वात्सल्य भोज का आयोजन भी हुआ। विधान में पवन- सरोज गोदिका , अनिल - आशा गोदिका ,दिलीप - रजनी गोदिका, रवि - अंजू गोदिका , राकेश - समता गोदिका, राकेश- रेणु संघी, श्रीमती उषा गोदिका, श्रीमती मधु गोदिका, रानी गोदिका , स्तुति गोदिका, शिप्रा गोदिका, दीपिका - शैलेंद्र झांझरी, अशोक - अनिला गंगवाल, धर्मेंद्र गोदिका, सोभाग मल जैन, अशोक सेठी सहित अनेक श्रावको ने उपस्थित रह कर पुण्य लाभ प्राप्त किया। @ पेज 20 पर

भगवान पार्श्वनाथ के निर्वाण कल्याणक महोत्सव का हर्षोल्लास से हुआ आयोजन